मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 2, मुंबई, शनिवार, 22 फरवरी, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

शपथ ग्रहण के बाद पहली बार...

'बड़े भाई' मोदी से मिले उद्धव ठाकरे

पीएम मोदी से मिलकर बोले उद्धव, सीएए से देश में किसी को खतरा नहीं

उद्धव के बेटे आदित्य ठाकरे भी मौजूद थे

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा और शिवसेना के बीच समीकरण बदल गए थे, दोनों का 30 साल पुराना गठबंधन टूटा था

मुंबई/दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आधिकारिक निवास स्थान '7 लोक कल्याण मार्ग' पर मुलाकात की। इसके बाद प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा- सीएए और एनआरसी के मुद्दे पर हमारी कांग्रेस से बातचीत चल रही है। इसीलिए महाराष्ट्र में शांति है। उन्होंने बताया- हमारी पीएम से सीएए, एनआरसी और एनपीआर को लेकर चर्चा हुई। सीएए को लेकर किसी को डरने की आवश्यकता नहीं है। सीएए का कानून, पड़ोसी देश में जो अल्पसंख्यक हैं, उन्हें नागरिकता देने का कानून है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

शाहीन बाग

तीन दिनों की बातचीत के बाद भी रास्ता खोलने को लेकर नहीं बनी बात, लौटे वार्ताकार

संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहीन बाग में सीएए के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों से वार्ताकारों ने लगातार तीन दिन तक बातचीत की और समस्या का हल निकालने की कोशिश की। हालांकि, अभी तक बातचीत किसी नतीजे तक नहीं पहुंच पाई है और शाहीन बाग का रास्ता नहीं खुल पाया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त वार्ताकार सीनियर वकील संजय हेगड़े और वकील साधना रामचंद्रन शुक्रवार को तीसरे दिन भी शाम 6:30 बजे प्रदर्शनकारियों से बातचीत के लिए शाहीन बाग पहुंचे, लेकिन कोई बात नहीं बन पाई।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

हेगड़े बोले- सहमति से निकले हल

वहीं, वरिष्ठ वकील संजय हेगड़े ने प्रदर्शनकारियों से कहा, आप ये कह रहे हैं कि अगर आप यहां से निकले तो और कोई नहीं आएगा सुनवाई के लिए। यही तो डर है ना कि कोई नहीं आएगा सुनने वाला। आज जब तक सुप्रीम कोर्ट है, आपकी सुनवाई कोई नहीं रोक सकता। आपके लिए आपकी तरफ से हम बहुत सारे वकील हैं, जो कोर्ट में आपकी बात बहुत बुलंद तरीके से रखेंगे। पर ये नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट सुन नहीं रही है।

दादर में एक कपड़े की दुकान में भीषण आग

लाखों का सामान जलकर हुआ खाक

दमकल की 6 गाड़ियों को तकरीबन डेढ़ घंटे का समय लगा आग पर पूरी तरह से काबू करने के लिए

मुंबई। शुक्रवार दोपहर दादर मार्केट में एक कपड़े की दुकान में भीषण आग लग गई। इसमें दुकान को बड़ा नुकसान हुआ हुआ।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संक्षिप्त खबर

अंधेरी रेलवे स्टेशन पर अचानक उल्टा चलने लगी स्वचालित सीढ़ी, एक-दूसरे पर गिरे यात्री

मुंबई। अंधेरी रेलवे स्टेशन पर उस समय अफरा तफरी मच गई जब स्वचलित सीढ़ी (एस्केलेटर) अचानक से उलटे चलने लगी और उस पर खड़े यात्री एक के बाद एक ऊपर गिरने लगे। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार शाम को हुई इस घटना में एक यात्री घायल हुआ था, जिसे इलाज के बाद बुधवार सुबह हॉस्पिटल से डिस्चार्ज कर दिया गया।

इस घटना के बाद पश्चिम रेलवे ने निर्णय लिया है कि वे सभी स्टेशनों में लगे स्वचालित सीढ़ियों की जांच करवाएगा और जहां आवश्यकता महसूस होगी उन सीढ़ियों की मरम्मत का कार्य किया जाएगा।

मंगलवार शाम 7 बजे के लगभग अंधेरी स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर बनी स्वचालित सीढ़ी अचानक उल्टा चलने लगी। पीक ऑवर होने के कारण उसपर बहुत ज्यादा भीड़ थी। इसके बाद लोग डर के मारे उल्टा भागने लगे और इसमें एक शख्स कई लोगों के पैरों के नीचे आ गया। थोड़ी देर तक उल्टा चलने के बाद सीढ़ी अपने आप बंद हो गयी।

देहुरोड में शराब के नशे में बेटे ने की पिता की हत्या

पुणे। शहर से सटे देहुरोड इलाके में एक बेटे ने शराब के नशे में धुत्त होकर अपने पिता की डंडे से वार कर हत्या कर दी। वारदात रविवार देर रात की है। जांच में सामने आया है कि बाप-बेटे में शराब पीने को लेकर विवाद हुआ था।

मृतक की पहचान संतोष विट्ठल येलवंडे के रुप में हुई है। पुलिस ने आरोपी बेटे विराज संतोष येलवंडे को गिरफ्तार कर लिया है। पूरा येलवंडे परिवार विराज के शराब पीने की लत से परेशान था। इसको लेकर दोनों के बीच अकसर लड़ाई होती रहती थी। रविवार रात को भी दोनों के बीच इसी बात को लाकर झगड़ा शुरू हुआ। मामला इस कदर बढ़ा कि विराज ने घर में रखे लकड़ी के टुकड़े से पिता पर प्रहार कर दिया। इसमें संतोष येलवंडे ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

मामले की जांच कर रहे वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मनीष कल्याणकर ने बताया कि वारदात के बाद आरोपी घर से भागा नहीं। परिजनों की शिकायत पर पहुंची पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के वक्त भी आरोपी नशे में धुत्त था।

ऑटो पार्ट्स बनाने वाली कंपनी में लगी आग, दमकल की 6 गाड़ियों ने बुझाया, एक कर्मचारी झुलसा

पुणे। शहर से सटे हिंजवाड़ी इलाके में मंगलवार सुबह गाड़ियों के पार्ट्स बनाने वाली कंपनी में लगी आग पर काबू पा लिया गया। दमकल की आधा दर्जन गाड़ियों को करीब 4 घंटे की मशक्कत करनी पड़ी। इसमें ऑटो पार्ट्स कंपनी को भारी नुकसान हुआ है। हालांकि, सुबह का समय होने के कारण फैक्ट्री में ज्यादा लोग नहीं थी। ताजा जानकारी के मुताबिक, इसमें एक कर्मचारी झुलसा है। उसे पिंपरी के एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।

पिंपरी फायर ब्रिगेड के अनुसार, आग सुबह 4 बजे व्हरोक लायटिंग सिस्टिम में आग लगी थी। फैक्ट्री में केमिकल के ड्रम होने के कारण यह आग ज्यादा भड़की। फिलहाल, आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है और कूलिंग का काम जारी है। ताजा जांच के मुताबिक, आग के पीछे शॉर्ट सर्किट वजह हो सकती है।

जिला अदालत ने 15 हजार के पीआर बांड पर देवेंद्र फडणवीस को दी जमानत

नागपुर। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस 2014 के आमचुनाव में नामांकन के वक्त अपने खिलाफ दर्ज और लम्बित दो आपराधिक मुकदमे की जानकारी छिपाने के एक केस में गुरुवार को नागपुर की जिला अदालत में पेश हुए। जहां अदालत ने उन्हें 15 हजार के पीआर बांड पर जमानत दी है। इस मामले में पेशी से बचने के लिए पूर्व सीएम ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया है। जिसपर सुनवाई करते हुए अदालत ने 17 फरवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

अदालत से बाहर आकर देवेंद्र फडणवीस ने कहा,₹आज मुझे अदालत ने चुनावी हलफनामे के एक मामले में सम्मन किया था। मैं कोर्ट में हाजिर हुआ और अदालत ने पीआर बांड पर मुझे अगली तारीख दी है। और मेरी प्यार बॉन्ड की अर्जी को स्वीकृत किया है। मूल रूप से 93 से 98 के बीच के यह दो कैसे थे और हमने एक झुग्गी झोपड़ी को बचाने के लिए आंदोलन किया था। उस आंदोलन में मेरे ऊपर दो प्राइवेट केस डाले गए थे। वह कैसे सेटल भी हो गए थे, अब वह केस मेरे पर नहीं है।

फडणवीस ने आगे कहा,₹मेरे ऊपर आरोप लगाया गया कि मैंने 2014 के एफिडेविट में इन मुकदमों को छिपाया। मैं लोवर कोर्ट में जीता, हाईकोर्ट में जीता लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने फिर से इसे लोवर कोर्ट में सुनवाई के लिए भेज दिया इसलिए मैं वहां आज हाजिर हुआ था। पूर्व सीएम ने आगे कहा-मेरे ऊपर आज तक जो भी कैसे हुए हैं वह सभी आंदोलनों में हुए हैं और कोई भी व्यक्तिगत केस नहीं है। यह सारे लोगों के कारण ही हुए हैं इसलिए उन्हें छुपाने का कोई मतलब नहीं था। अगर मैंने बाकी कैस के बारे में बताया है तो इन दो केसों को छुपाने का कोई मतलब नहीं है। मेरे वकील ने जो एफिडेविट तैयार किया है और बाकी हम अपना सारा पक्ष अदालत के सामने रखेंगे और मुझे पूरा विश्वास है कि अदालत हमें न्याय देगा।

हालांकि, इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने फडणवीस को झटका देते हुए ट्रायल का सामना करने का आदेश दिया था। जिसके खिलाफ उन्होंने पुनर्विचार याचिका दायर की थी। इस याचिका पर दलील देते हुए फडणवीस के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा था कि फडणवीस ने नामांकन के वक्त पर्चों में ऐसा कोई मामला या जानकारी नहीं छुपाई जिसमे कोर्ट ने संज्ञान लिया हो। इस पर जस्टिस दीपक गुप्ता ने कहा कि क्या आपके खिलाफ सारे लम्बित और दर्ज मामलों की सारी जानकारी देना जरूरी नहीं था? आपको नहीं लगता कि क्या सब कुछ साफ साफ बताना जरूरी था? इस पर मुकुल रोहतगी ने कहा कि कानून में ऐसी कोई बाध्यता नहीं है। मुकदमा दर्ज कराने वालों ने आरपी एक्ट के प्रावधानों को बदले की भावना से गलत नजरिए से पेश किया।

मुंबई / टैक्स नहीं चुकाने पर स्त्रीधन छोड़कर टीवी-फ्रिज तक जब्त कर सकेगा बीएमसी

मुंबई। म्यूनिसिपल कारपोरेशन (बीएमसी) ने टैक्स न चुका पाने वाले मुंबईवासियों से निपटने के लिए कमर कस ली है। अब बीएमसी स्त्रीधन को छोड़कर घर में टीवी, रेफ्रिजरेटर, कंप्यूटर, फर्नीचर, एयर कंडीशनर समेत हर चल संपत्ति जब्त कर सकेगा।

स्त्रीधन में वह सामान आता है, जो महिला को शादी के वक्त उसके मायके से मिलता है। दरअसल, बीएमसी टैक्स न भरने वाले लोगों से परेशान है। करीब 3.2 लाख मुंबईकर ऐसे हैं जिन्होंने अपना टैक्स नहीं चुकाया है। यह राशि बढ़कर 3,681 करोड़ रुपए हो गई है। इसलिए बीएमसी को नई नीति

लाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

नई नीति में प्रावधान है कि बीएमसी संपत्ति नीलाम भी कर सकेगा। यही नहीं, बैंक खाते फ्रीज भी किए जा सकेंगे। यह नियम जल्द लागू होगा। वर्तमान में जलकर न भरने पर निगम तीन हफ्ते के लिए नल कनेक्शन काट देता है।

तिरुपति दर्शन को गया था परिवार, घर में हुई लाखों की चोरी

मुंबई। कल्याण में चोरी की घटनाओं पर लगाम नहीं लग पा रही है। तिसगांव स्थित एक इमारत का ताला तोड़कर चोर लाखों के सोने के गहने चुराकर फरार हो गए। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, सुख शांति अपार्टमेंट स्थित तिसगांव कल्याण (पूर्व) में रहने वाले नितीश सुरेश राय का परिवार घर का ताला बंद कर तिरुपति बालाजी के दर्शन के लिए गए थे।

भैयाजी जोशी ने कहा-संघ कोई राजनीतिक संगठन नहीं, देशहित में बात करना राजनीति नहीं

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव सुरेश 'भैयाजी' जोशी ने बुधवार को संघ को राजनीतिक संगठन के रूप में चिह्नित करने वालों की आलोचना करते हुए पूछा कि क्या देश के हित में बात करना राजनीति करना है। जोशी आरएसएस के दूसरे सरसंघचालक (प्रमुख) माधव सदाशिवराव गोलवलकर की जयंती के अवसर पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा, ₹क्या राष्ट्र और देश के बारे में सोचना राजनीति करना है? ऐसा कैसे हो सकता है? अगर देश की सीमा के बारे में सवाल हैं, तो क्या देश का आम आदमी इसके बारे में नहीं सोचेगा?₹ उन्होंने कहा लोग संघ को राजनीतिक कहते हैं, लेकिन संघ ने कभी भी चुनाव नहीं लड़ा और इसकी आगे भी कोई

संभावना नहीं है। संघ में, चुनाव होते हैं और लोगों को इस बारे में पता भी नहीं चल पाता है।

कार्यक्रम में भैयाजी ने कहा, ₹हर कोई व्यक्तिगत स्वतंत्रता चाहता है, लेकिन किसी को किसी पर अत्याचार करने का अधिकार नहीं है। हमने व्यक्तिगत स्वतंत्रता के विचार की कल्पना की है। हर कोई व्यक्तिगत स्वतंत्रता चाहता है। सैद्धांतिक रूप से, कोई भी इसका विरोध नहीं कर सकता। व्यक्तिगत स्वतंत्रता का मतलब यह नहीं है कि हमें किसी को यातना देने का अधिकार है।

उन्होंने आगे कहा,'अपनी पसंद और क्षमता के आधार पर, प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में आगे बढ़ने का अधिकार है। लेकिन व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर आपको हिंसा या भ्रष्टाचार करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। इसलिए, व्यक्तिगत स्वतंत्रता थोड़े समय के लिए होनी चाहिए।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

वारिस पठान के '100 करोड़ पर 15 करोड़ भारी' पर शिवसेना बोली- हम भी जवाब देना जानते हैं

मुंबई। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय प्रवक्ता और मुंबई के भायखाला से विधायक रह चुके वारिस पठान ने '100 करोड़ पर 15 करोड़ भारी' बयान देकर सियासी खेमों में भी सरगर्मियां बढ़ा दी हैं। वारिस पठान के बयान पर अब शिवसेना ने पलटवार किया है। शिवसेना के नेता संजय राउत ने कहा कि जवाब देना हम भी जानते हैं।

उधर, इस मामले को लेकर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता और लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव ने कहा है कि वारिस पठान को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। तेजस्वी ने कहा, 'यह बयान निंदनीय है, उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। एआईएमआईएम

बीजेपी की बी-टीम की तरह काम कर रही है। इसी तरह अनुराग ठाकुर, प्रवेश वर्मा जैसे नेताओं को भी अरेस्ट किया जाना चाहिए। जो भी भड़काऊ बयान देता है उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।'

बता दें कि कर्नाटक के गुलबर्ग में 15 फरवरी को एक जनसभा के दौरान पठान ने बिना नाम लेते हुए कहा कि '100 करोड़ (हिंदुओं) पर 15 करोड़ (मुस्लिम) भारी पड़ेंगे।' वहीं, इस बयान को लेकर पठान के खिलाफ पुणे में शिकायत दर्ज कराई गई है।

पठान से जब उनके बयान को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'जो लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं वह कानून के खिलाफ कर रहे हैं जबकि बीजेपी हम लोगों को 130 करोड़ लोगों से अलग करने की कोशिश कर रही है।'

पांच आईएएस अधिकारियों का तबादला

मुंबई। सोमवार से शुरू होने वाले विधानमंडल की बैठक से पहले ठाकरे सरकार ने पांच उच्च अधिकारियों के तबादले किए है। राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव मनु कुमार श्रीवास्तव को राजस्व, पंजीकरण और स्टांप ड्यूटी से राजस्व और वन विभाग में भेजा गया, जबकि शहरी विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव नितिन करीर को मनु कुमार की जगह राजस्व में भेजा गया है। जल संधारण विभाग के प्रधान सचिव आई.ए. चहल को करीर की जगह शहरी विकास में लाया गया है।

19 फरवरी या 6 अप्रैल: शिवाजी महाराज की जयंती पर क्या और क्यों है विवाद?

मुंबई। महाराष्ट्र में शिवसेना के नेतृत्व वाली सरकार ने 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई तो एक बार फिर शिवाजी की जन्मतिथि को लेकर विवाद गहरा गया। दरअसल जब शिवसेना विपक्ष में थी तो मानती थी कि शिवाजी की जयंती हिंदू पंचांग की पुरानी तिथि के अनुसार यानी 6 अप्रैल को मनाई जानी चाहिए लेकिन इस बार शिवसेना सरकार के परिवहन मंत्री अनिल परब ने ऐलान किया था कि सीएम उद्धव ठाकरे नई तारीख 19 तारीख को शिवाजी जयंती मनाएंगे और शिवसेना उनकी जयंती को पंचांग के अनुसार ही मनाएगी।

बुधवार को सीएम उद्धव ठाकरे उप मुख्यमंत्री अजित पवार के साथ शिवणेरी किले गए और शिवाजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। बताया जाता है कि इसी शिवणेरी दुर्ग में 1630 में शिवाजी का जन्म हुआ था लेकिन उनके जन्म की तारीख पर विवाद आज तक कायम है।

2000 में महाराष्ट्र विधानसभा में पास हुए प्रस्ताव के अनुसार, शिवाजी का जन्म 19 फरवरी 1630 को हुआ था। अगर इसे पंचांग के हिसाब से देखें, तो शिवाजी का जन्म फागुन महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि, 1551 शक संवत्सर को हुआ था। उससे पहले शिवाजी की जन्मतिथि वैशाख महीने की द्वितीया तिथि 1549 शक संवत्सर मानी जाती थी। उसके हिसाब से शिवाजी का जन्म 6 अप्रैल 1627 को हुआ था। स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक ने महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज की जयंती को धूमधाम से मनाने की परंपरा की शुरूआत की थी। दरअसल, बाल गंगाधर तिलक और विद्वानों ने शिवाजी का जन्मतिथि का पता लगाने की कोशिश की थी और उस पर अपने विचार रखे थे। तिलक ने अपनी पत्रिका केसरी के साल 1990 में 14 अप्रैल के संस्करण में इस मुद्दे पर विस्तार से जानकारी दी थी। तिलक ने यह भी माना था कि शिवाजी महाराज की जन्मतिथि को तय करने के लिए कोई पुष्ट जानकारी नहीं है। तब कुछ लेखों को आधार मानते हुए शिवाजी की जन्मतिथि 6 अप्रैल 1627 मानी गई और इसी आधार पर शिवाजी महाराज की जयंती 6 अप्रैल को मनाई जाने लगी।

महाराष्ट्र सरकार ने 1966 में इतिहासकारों की एक समिति गठित करके शिवाजी महाराज का जन्म की ठीक तारीख तय करने को कहा। समिति ने निष्कर्ष निकाला कि शिवाजी का जन्म फागुन वद्य तृतीया शके 1551 यानी 19 फरवरी 1630 है लेकिन समिति में शामिल एक इतिहासकार एनआर फाटक ने कहा कि वैशाख शुक्ल द्वितीया शके 1549 यानी 6 अप्रैल 1927 को हुआ था। समिति की दूसरी मीटिंग बैठाई गई तो इतिहासकारों ने माना कि शिवाजी के जन्म की एक तारीख करने के लिए दस्तावेज नहीं हैं। बाद में तय हुआ कि जब तक इतिहासकारों के बीच सहमति नहीं बन जाती है तब तक पुरानी तारीख यानी 6 अप्रैल को ही शिवाजी का जन्मतिथि मानी जाए।

पवार क्यों नहीं मस्जिद के लिए ट्रस्ट बनाते?

मुंबई। एनसीपी नेता शरद पवार के उस बयान पर बीजेपी ने पवार की घेरेबंदी शुरू कर दी है, जिसमें उन्होंने अयोध्या में मस्जिद के लिए ट्रस्ट बनाने की बात कही थी। पवार पर तीखा हमला करते हुए बीजेपी नेता व राज्य के पूर्व वित्त मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि क्यों नहीं पवार अपनी पार्टी की तरफ से ट्रस्ट बनाकर अयोध्या में मस्जिद बनाने का काम करते? पवार पर आरोप लगाया कि उन्होंने जिंदगीभर मतों का तुष्टीकरण करने का काम किया। उन्होंने तो कुर्सी के लिए राजनीतिक दल तोड़े हैं। मुनगंटीवार ने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार ही ट्रस्ट बनाया गया है, ऐसे में आरोप लगाने की वजह क्या है? उनसे जब पूछा गया कि ठाकरे सरकार पूर्व की फडणवीस सरकार के शासनकाल में हुए भ्रष्टाचार की रिपोर्ट आगामी बजट सत्र में रखने वाली है? इस पर मुनगंटीवार ने स्वागत करते हुए कहा कि हमारी सरकार में शिवसेना के मंत्रियों पर भी आरोप लगे थ, ऐसे में क्या सभी की रिपोर्ट रखी जाएगी? हम रोने वाले नहीं, लड़ने वाले लोग हैं। ईडी की पूछताछ की खबर के बाद तो वे रोने-धोने लगे थे। शरद पवार ने कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के फैसले को हम सभी स्वीकार करते हैं। हम इसके खिलाफ नहीं हैं, लेकिन जब मंदिर बनाने के लिए ट्रस्ट बना सकते हैं।

एचएससी परीक्षा: दो दिन में 135 नकलची पकड़े गए

मुंबई। महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड की बारहवीं की परीक्षाएं चल रही हैं। बोर्ड ने नकल रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं, इसके बावजूद राज्यभर में दो दिनों में 135 नकलची पकड़े गए हैं। सभी 9 विभागों में नकल करने के मामले में लातूर विभाग के परीक्षार्थी शामिल हैं। लातूर विभाग में 34 नकलची पकड़े गए हैं, जबकि मुंबई और कोकण विभाग में नकल करने का एक भी मामला सामने नहीं आया है।

बोर्ड के मुताबिक, राज्य में नकल को रोकने के लिए बड़ी संख्या में उड़नदस्ते नियुक्ति हैं। बोर्ड नकल रहित परीक्षा के आयोजन को लेकर प्रतिबद्ध है। अब तक पुणे विभाग में 22, नागपुर में 20, औरंगाबाद में 15, कोल्हापुर में 4, अमरावती में 10, नासिक में 30, लातूर में 34 नकल के मामले सामने आए हैं।

आरटीआई कार्यकर्ता पर केस, डॉक्टरों को ब्लैकमेल करने का आरोप

ठाणे। डॉक्टरों को ब्लैकमेल कर उनसे हफ्ता वसूली के मामले में ठाणे पुलिस ने आरटीआई कार्यकर्ता अब्दुल घड़ियाली के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि घड़ियाली पहले आरटीआई के माध्यम से जानकारी निकालता और फिर शिकायत वापस लेने के लिए डॉक्टरों से पैसे वसूलता था। पिछले दिनों पुलिस ने फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ शिकायत के बाद ठाणे के कलवा, मुंब्रा व शील-डायघर इलाके में छापा मारा था और 8 डॉक्टरों को गिरफ्तार किया था। ये डॉक्टर यूनानी पद्धति से प्रैक्टिस करने के बावजूद लोगों को मृत्यु प्रमाणपत्र दे रहे थे। पुलिस द्वारा डॉक्टरों से की गई पूछताछ में उक्त खुलासा हुआ। मुंब्रा पुलिस ने डॉक्टर अनवर हुसैन मोहम्मद की शिकायत पर मुंब्रा निवासी अब्दुल घड़ियाली

के खिलाफ मामला दर्ज किया है। घड़ियाली ने आरटीआई के जरिये जनवरी 2017 से जून 2019 तक उक्त डॉक्टरों द्वारा जारी किए गए मृत्यु प्रमाण पत्र और अन्य बातों की जानकारी हासिल

की थी। घड़ियाली ने महाराष्ट्र काउंसिल ऑफ इंडियन मेडिसिन को उक्त डॉक्टरों की शिकायत भी की थी। बताया गया है कि शिकायत के बाद महाराष्ट्र काउंसिल ऑफ इंडियन मेडिसिन ने 4 डॉक्टरों से जवाब मांगकर उनका लायसेंस रद्द कर देने की बात कही थी। शिकायत को वापस लेने के लिए घड़ियाली ने डॉक्टरों से हफ्ता मांगा था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

चीन का मुंह फेरना

दुनिया में जो देश दहशतगर्दों के साथ खड़े हैं, उन्हें न केवल अलग-थलग करना चाहिए, बल्कि उन्हें वाजिब सजा भी मिलनी चाहिए। दहशतगर्दी के खिलाफ तय कदम न उठाने के बावजूद पाकिस्तान को फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) ने जो राहत और मोहलत दी है, उसकी तारीफ तो कतई नहीं की जा सकती। पाकिस्तान जून 2018 से ही ग्रे लिस्ट में है, लेकिन अभी भी वह कुल 27 कदमों में से आधे भी ढंग से नहीं उठा पाया है। चीन जैसे अपने मजबूत सहयोगी देश के जोर पर वह सिर्फ शोर मचाता रहा है कि उसने 14 कदम उठा लिए हैं, इसलिए उसे ग्रे लिस्ट से बाहर कर दिया जाए। लेकिन सच्चाई यह है कि जमीनी स्तर पर महज पांच शर्तों को पाकिस्तान ने पूरा किया है। दरअसल उसे चीन जैसे मजबूत और मलेशिया, तुर्की जैसे नए मौकापरस्त मददगारों से बड़ी उम्मीद है कि ये देश उसे काली सूची में जाने से बचा लेंगे। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं है कि जो भी देश पाकिस्तान को काली सूची में जाने से बचा रहे हैं, उन्हें भारत की ज्यादा परवाह नहीं है। पाकिस्तान 2008 और फिर 2012 से 2015 तक एफएटीएफ की ग्रे सूची में रह चुका है और दुनिया की नजरों में धूल झोंककर ही काली व ग्रे सूची से बचता आ रहा है। इस बार भी उसकी कोशिश है कि बिना ठोस कदम उठाए, वह ग्रे सूची से बाहर आ जाए। शर्तों को पूरा करने का वादा करने के बावजूद करीब 15 महीने वह पहले बर्बाद कर चुका है, अब उसे चार महीने और मिल गए हैं। भारत को सावधान रहना होगा कि दहशतगर्दी का पक्ष लेने वाले पाकिस्तान को अब आगे और मोहलत, रियायत न मिले। हमें उसी पाकिस्तान का स्वागत करना है, जो आतंकवाद को धन और समर्थन देने से बाज आए। इस बीच एक संकेत यह है कि चीन भी पाकिस्तान की ओर से मुंह फेर रहा है और पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ ठोस कदम उठाते देखना चाहता है। हालांकि एक ही मौके पर मिले इस संकेत से भारतीय कूटनीति को अभिभूत नहीं होना चाहिए। हो सकता है, पाकिस्तान को आसानी से और चार महीने दिलाने के लिए ही चीन ने अपना रुख थोड़ा बदला हो। यह भी हो सकता है, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की भारत यात्रा और अमेरिका-भारत के उत्तरोत्तर प्रगाढ़ होते रिश्ते से भी चीन के रुख में कुछ नरमी बनी हो। अतः हमें इंतजार करना चाहिए, चीन की नरमी तात्कालिक भी हो सकती है। यह बताया जा रहा है कि पाकिस्तान के साथ अब तुर्की ही बचा है। तुर्की जैसे देशों पर भारत को सचेत रहना चाहिए। ये ऐसे देश हैं, जिन्हें आतंकवाद और भारत की पीड़ा की कोई परवाह नहीं है, जो दुनिया के तमाम मसलों को मजहबी या तिजारती नजरिए से ही देखने के आदी हैं।

कश्मीर पर विषवमन का उपचार

मोदी सरकार ने बीते साल पांच अगस्त को जबसे जम्मू-कश्मीर में संवैधानिक परिवर्तन किए हैं, तबसे कुछ लोग उसके खिलाफ लगातार विषवमन में जुटे हैं। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन भी उनमें से एक हैं। बीते शुक्रवार को एक बार फिर इसकी बानगी दिखी, जब पाकिस्तान की यात्रा पर पहुंचने के बाद वहां की संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कश्मीर का राग अलापा। कश्मीरी अलगाववाद की तुलना प्रथम विश्व युद्ध में विदेशी प्रभुत्व के खिलाफ तुर्की की लड़ाई से करते हुए एर्दोगन ने पाकिस्तान को आश्वस्त किया कि कश्मीर तुर्की के लिए भी उतना ही संवेदनशील मसला है, जितना पाकिस्तान के लिए। पाकिस्तान के सुर में सुर मिलाते हुए उन्होंने दोहराया कि भारत का कदम एकतरफा है, जिसकी मार कश्मीरियों पर पड़ रही है। इस संदर्भ में कहना होगा कि भारतीय विदेश मंत्रालय ने देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने की उनकी कोशिशों को तुरंत ही खारिज कर एकदम सही किया। इसके साथ-साथ यह उचित हिदायत भी दी कि तुर्की वास्तविक तथ्यों को लेकर अपनी समझ बढ़ाए और इस पर भी विचार करे कि पाकिस्तान किस तरह भारत और इस समूचे क्षेत्र में आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। दरअसल 1950 के दशक से ही पाकिस्तान व तुर्की में गहरा दोस्ताना रहा है। दोनों मुल्कों की सेनाओं के रिश्ते भी बेहद करीबी रहे हैं। इनके चलते तुर्की कश्मीर सहित तमाम मामलों पर पाकिस्तान का हमदर्द बना रहा। वर्ष 2016 में भी पाकिस्तान दौरे पर एर्दोगन ने कहा था कि तुर्की कश्मीरियों के दुख-दर्द से भलीभांति परिचित है।

बहरहाल, ताजा संदर्भ में एर्दोगन ने जो तल्ख बयान दिया, उसके पीछे इस्लामिक जगत का सिरमौर बनने की महत्वाकांक्षा ही है। वह तुर्की को उसी दौर में वापस ले जाना चाहते हैं, जब ऑटोमन साम्राज्य के स्वर्णिम दौर में तुर्की के सुल्तान को खलीफा की पदवी हासिल थी। अब इस्लामिक उम्मा का नेतृत्व व्यापक रूप से सऊदी अरब के हाथ में है और कई अन्य अरब देश भी तुर्की से आगे निकल गए हैं। यहां पर यह गौरतलब है कि अरब देश और इस्लामिक उम्मा के तमाम मुल्कों ने पांच अगस्त को भारत सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में लिए गए ऐतिहासिक फैसले के बाद पाकिस्तानी दुष्प्रचार को व्यापक रूप से नजरअंदाज ही किया, लेकिन तुर्की ने अलग राह पकड़ी। इससे भारत-तुर्की संबंधों में स्वाभाविक रूप से खटास आ गई। गत वर्ष सितंबर में

संयुक्त राष्ट्र के मंच से एर्दोगन के भारत विरोधी भाषण के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने प्रस्तावित तुर्की दौरे को रद्द कर दिया।

एर्दोगन के अलावा मलेशियाई प्रधानमंत्री महातिर मोहम्मद ने भी कश्मीर पर सरकार के कदमों की तल्ख शब्दों में आलोचना की थी। उन्होंने तो यहां तक कह दिया कि भारत ने कश्मीर में कब्जा कर लिया है। यह निहायत ही बेतुका बयान था। आखिर कोई देश अपनी ही जमीन पर कैसे कब्जा कर सकता है? इस पर मोदी सरकार ने अपनी नाखुशी जाहिर की। इसके जवाब में भारतीय व्यापारियों ने मलेशियाई पाम ऑयल के आयात से परहेज करने का फैसला किया। इससे मलेशिया के आर्थिक हितों पर करारी चोट हुई। नतीजतन, सहयोगियों के सुझाव पर महातिर को अपने तेवर नरम करने पड़े। तुर्की और मलेशिया के खिलाफ भारत ने एकदम सटीक तरीके से कूटनीतिक कार्रवाई की, लेकिन क्या यही बात सरकार की उस कवायद को लेकर कही जा सकती है, जिसके तहत उसने राजनयिकों के दो समूहों को जम्मू-कश्मीर का दौरा कराया? इस सिलसिले में 15 सदस्यीय पहला समूह पिछले महीने वहां गया था। इसमें भारत में अमेरिका के राजदूत भी शामिल थे। इस कड़ी में दूसरा दौरा गत सप्ताह यूरोपीय संघ के प्रतिनिधियों का हुआ। इन समूहों को वहां भेजने की मंशा स्पष्ट रूप से यही थी कि उनके माध्यम से कश्मीर को लेकर पाकिस्तानी दुष्प्रचार की हवा निकाली जाए।

पाकिस्तान अभी भी इस बदजुबानी में जुटा है कि कश्मीर घाटी में मानवाधिकारों का उल्लंघन जारी है और तमाम शहरों में कर्फ्यू सरीखे हालात हैं। इन समूहों के जरिए छनकर आने वाली खबरों के मुताबिक राजनयिकों ने अपने दौरे में विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक और कारोबारी वर्गों के प्रतिनिधियों के साथ ही तमाम पेशेवर समूहों से भी चर्चा की। प्रयास यह किया गया कि राजनयिकों की मेल-मुलाकात न केवल उन लोगों के साथ कराई जाए जो सरकारी कदमों का समर्थन करते हैं, बल्कि उनसे भी मिलाया जाए जो संचार सहित कुछ प्रतिबंधों के आलोचक हैं। इससे राजनयिकों को एक बड़ी हद तक वस्तुनिष्ठ समझ बनाने में मदद मिली होगी, जिसे उन्होंने अपनी सरकारों के साथ अवश्य साझा किया होगा। फरवरी में गए समूह ने जम्मू का भी दौरा किया था। जम्मू के लोगों से विमर्श के बाद प्रतिनिधिमंडल को राज्य के जटिल हालात समझ आए होंगे। कोई देश अमूमन राजनयिकों को अपनी आर्थिक संभावनाएं दिखाने के लिए ही विभिन्न स्थानों का दौरा कराता है। इसके पीछे आर्थिक सहयोग और पर्यटन को बढ़ावा देने जैसे मकसद होते हैं। राजनयिकों को राजनीतिक निहितार्थ वाले दौरे नहीं कराए जाते। इसकी सीधी वजह यही है कि यदि ऐसे दौरे कराए जाएं तो दूसरे देशों को आंतरिक मामलों पर टीका-टिप्पणी का मौका मिल जाता है। राजनयिकों के इन दोनों दौरों में यही हुआ। अपने राजदूत के दौरे के बाद अमेरिकी विदेश विभाग ने कश्मीरी नेताओं की नजरबंदी के अलावा राज्य में इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध को लेकर चिंता जताई। इसी तरह दूसरे समूह के दौरे के बाद कुछ राजनयिकों ने आशा व्यक्त की कि संचार संबंधी प्रतिबंध भी जल्द हटा लिए जाएंगे।

ऐसे बयानों पर भारत का नाखुश होना स्वाभाविक ही है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय मामलों में ऐसा कूटनीतिक विनिमय आम है, फिर भी सरकार यह नहीं कर सकती कि राजनयिकों को साथ भी रखे और उनसे यह अपेक्षा भी रखे कि वे कोई टिप्पणी न करें। यह तो 'आ बैल मुझे मार वाली बात हुई। अपनी नियुक्ति वाले देश के विभिन्न इलाकों के राजनीतिक हालात की सूचनाओं के लिए राजनयिकों के अपने सूत्र भी होते हैं।

वे ऐसे दौरों के बजाय अपने इन सूत्रों और अन्य कड़ियों पर ज्यादा भरोसा करते हैं। खासतौर से जम्मू-कश्मीर जैसे मामलों में यह और ज्यादा होता है, जहां ऐसे दौरों में सुरक्षा घेरे के चलते वे अपनी पसंद की जगह पर स्वतंत्र विचरण करने में सक्षम नहीं होते। कुल मिलाकर इस अनुभव से सीख लेते हुए सरकार को आकलन करना चाहिए कि जम्मू-कश्मीर में राजनयिकों के ऐसे दौरों की आखिर क्या उपयोगिता है? संतुलन की कवायद में नकारात्मकता सकारात्मकता पर हावी हो सकती है। ऐसे में बेहतर यही होगा कि राजनीतिक दौरों से बचने की जांची-परखी परंपरा का ही पालन किया जाए।

खत्म हुई संभावना

अटकलें खत्म। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी आक्रामक शैली में यह साफ कर दिया है कि सोमवार को जब वह भारत दौरे पर आएंगे, तो दोनों देशों के बीच किसी तरह का व्यापार समझौता नहीं होगा। लेकिन इसी के साथ वह यह जोड़ना भी नहीं भूले कि कुछ समय बाद भारत और अमेरिका के बीच एक बड़ा व्यापार समझौता होगा। और पहले की तरह ही वह यह कहने से भी नहीं चूके कि भारत ने हमारे साथ अच्छा नहीं किया। साथ ही उन्होंने यह सफाई भी जोड़ दी कि वह भारत तो इसलिए जा रहे हैं कि उन्हें नरेंद्र मोदी पंसद हैं। वैसे राष्ट्रपति ट्रंप के दौरे में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता नहीं हो पा रहा, यह उसी समय स्पष्ट हो गया, जब पिछले सप्ताह अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि रॉबर्ट लाइट्जर ने अपना भारत दौरा रद्द कर दिया था। इसके पहले तक यही माना जा रहा था कि वह भारत आकर व्यापार समझौते की पूर्वपीठिका तैयार करेंगे, ताकि जब डोनाल्ड ट्रंप भारत आएं, तो समझौता बिना किसी बाधा के हो सके। उन्होंने अपना दौरा रद्द करके समझौते की संभावना खत्म होने का संकेत दे दिया था। हालांकि इसके बाद भी यह अटकल लगाई जा रही थी कि दोनों देशों में पूर्ण और वृहद व्यापार समझौता भले न हो, लेकिन छोटी-मोटी व्यापार सहमतियां बनाई जा सकती हैं। इस अटकल पर भी अब विराम लग गया है। दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता शायद इतना आसान भी नहीं है। इसे लेकर पिछले दो साल से लगातार बात चल रही है, लेकिन अभी तक दोनों देशों के बीच सहमति नहीं बन सकी है। इसलिए डोनाल्ड ट्रंप के दौरे में रातोंरात सहमति बन जाती, इसकी बहुत संभावना नहीं थी। अच्छी बात यह है कि इसे अमेरिका ने भी समझा और स्वीकार किया है। इस मौके पर इसे अनावश्यक तूल देना रिश्तों को बिगाड़ने की ओर ही ले जाता। अभी तक दोनों देशों के बीच होने वाला कारोबार भारत के पक्ष में झुका हुआ है, यानी भारत वहां निर्यात ज्यादा करता है और आयात कम। अमेरिका इस सूरत को बदलना चाहता है। वह चाहता है कि भारत अपने बाजार को वाहन, कृषि और डेयरी उत्पादों के लिए खोले। भारत के लिए उसकी इस मांग को मानना आसान नहीं है। दूसरी तरफ, भारत यह चाहता है कि आयात के मामले में अमेरिका ने कई भारतीय उत्पादों को जो तरजीही दर्जा दिया था, उसे बहाल किया जाए।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, शनिवार
22 फरवरी, 2020

मुंबईः अब 12वीं में कोई विद्यार्थी नहीं होगा फेल!

कौशल विकास के लिए होंगे पात्र

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं में बैठने वाले दसवीं के परीक्षार्थियों के बाद अब बारहवीं के परीक्षार्थियों को लेकर बड़ा निर्णय लिया गया है। अब बारहवीं के मार्कशीट पर फेल शब्द नहीं लिखा जाएगा। इस संबंध में राज्य सरकार ने सर्कुलर जारी किया है। नियमों के तहत जो विद्यार्थी पास नहीं होंगे, वे कौशल विकास से संबंधित कोर्स के लिए पात्र होंगे। साथ ही, वे पूरक परीक्षा भी दे सकते हैं। बोर्ड ने यह निर्णय विद्यार्थियों को होने वाली मानसिक पीड़ा को देखते हुए लिया है।

दो दिन में 135 नकलची पकड़े गए: बता दें कि महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड की बारहवीं की परीक्षाएं चल रही हैं। इस दौरान बोर्ड ने नकल रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं, इसके बावजूद राज्यभर में दो दिनों में 135 नकलची पकड़े गए हैं। सभी 9 विभागों में नकल करने के मामले में लातूर विभाग के परीक्षार्थी शामिल हैं। लातूर विभाग में 34 नकलची पकड़े गए हैं, जबकि मुंबई और कोकण विभाग में नकल करने का एक भी मामला सामने नहीं आया है। बोर्ड के मुताबिक, राज्य में नकल को रोकने के लिए बड़ी संख्या में उड़नदस्ते नियुक्ति हैं। बोर्ड नकल रहित परीक्षा के आयोजन को लेकर प्रतिबद्ध है। अब तक पुणे विभाग में 22, नागपुर में 20, औरंगाबाद में 15, कोल्हापुर में 4, अमरावती में 10, नासिक में 30, लातूर में 34 नकल के मामले सामने आए हैं।

मंत्रियों के लिए रिहायशी टावर बनाने की तैयारी में महाराष्ट्र सरकार

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने मंत्रियों के लिए एक 18 मंजिला रिहायशी टावर के निर्माण की योजना बनाई है। दक्षिण मुंबई के मलबार हिल के एक प्लॉट पर यह टावर बनाया जा सकता है। यह प्लॉट 2584 वर्ग मीटर में फैला है और इस पर बना बंगला 'पुरातन' करीब 105 वर्ष पुराना है। सचिवों की एक समिति ने 119 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना को अनुमति दे दी है। सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि वर्तमान में खाली और जीर्ण-शीर्ण हालात में मौजूद पुरातन बंगले को ढहाकर नयी

इमारत बनायी जाएगी, जिसमें 18 मंत्रियों को घर दिया जाएगा। निर्माण का कुल क्षेत्रफल 10337.80 मीटर होगा। उन्होंने बताया कि हर मंत्री को मिले फ्लोर पर 574 वर्ग मीटर में निर्माण किया जाएगा। इसमें रहने का कमरा, चार शयनकक्ष, रसोइघर, दफ्तर, अतिथि प्रांगण, बैठक, दो कर्मचारी कक्ष और संग्रहण स्थान के अलावा अन्य सुविधाएं मिलेंगी। वहां आगंतुकों के लिए अलग लॉबी और लिफ्ट लगी होगी। उन्होंने बताया कि मंत्रियों और उनके परिवार के सदस्यों के अलावा मेहमानों और आगंतुकों के आने-जाने के लिए भी अलग से व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस परियोजना को अनुमति के लिए जल्द ही लोक निर्माण विभाग मंत्री अशोक चव्हाण के पास भेजा जाएगा।

महाराष्ट्र सरकार थाई मांगुर मछली के उत्पादन केंद्र नष्ट करेगी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने थाई मांगुर मछली के उत्पादन केंद्रों को नष्ट करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया है। यह निर्णय पिछले सप्ताह मछली कारोबारियों और महाराष्ट्र के मत्स्य विभाग के अधिकारियों के मध्य हुई बैठक में किया गया। बैठक की अध्यक्षता मत्स्यपालन मंत्री असलम शेख ने की। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति की विस्तृत समीक्षा के बाद शेख ने थाई मांगुर मछली की बिक्री पर प्रतिबंध का आदेश देते हुए अधिकारियों से इसके प्रजनन केंद्रों को नष्ट करने के लिए कहा। मत्स्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया थाई मांगुर का उत्पादन स्वच्छ स्थितियों में नहीं होता। अतः इसके सेवन के बाद लोगों के स्वास्थ्य को खतरा होता है। उन्होंने कहा राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने 2000 में इस पर प्रतिबंध लगा दिया था और पिछले साल जनवरी में एक आदेश पुनः जारी किया था। दुर्भाग्य से इसका पालन कारगर तरीके से नहीं किया गया। अधिकारी ने बताया राज्य के मत्स्य विभाग ने अब थाई मांगुर के उत्पादन केंद्रों को नष्ट करने के लिए अभियान चलाने का निर्णय लिया है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

...'बड़े भाई' मोदी से मिले उद्धव ठाकरे

ऐसे में हमारे यहां के लोगों को इससे डरने की जरूरत नहीं है। शाहीन बाग के मुद्दे पर ठाकरे ने कहा- कुछ लोग भड़काने का काम कर रहे हैं। हालांकि बार-बार कांग्रेस का नाम पत्रकारों की ओर से लेने के बावजूद उन्होंने कांग्रेस को लेकर कुछ भी नहीं कहा। सिर्फ इतना कहा कि आप लोग दिल्ली में रहते हैं और इसको ज्यादा जानते होंगे कि कौन उन्हें भड़का रहा है। एनपीआर को लेकर मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा- एनपीआर तो जनगणना की प्रक्रिया है। उसे सिर्फ आगे बढ़ाया है। इसके अलावा हमारी राज्य के विकास को लेकर प्रधानमंत्री से कई मुद्दों पर बातचीत हुई। एनपीआर में भी अगर हम देखेंगे कि कुछ चीजें गलत हैं तो आगे उस पर फैसला लिया जाएगा। मोदी जी से जीएसटी के मुद्दे पर भी बातचीत हुई। जीएसटी का पैसा आ तो रहा है लेकिन जिस तेजी से आना चाहिए वह नहीं आ रहा है। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ठाकरे के साथ उनके बेटे आदित्य ठाकरे भी मौजूद थे। यह मुलाकात उस वक्त हुई जब सीएम उद्धव, सरकार में अपने दो सहयोगियों राकांपा-कांग्रेस के विचारों से विपरीत एनपीआर और भीमा कोरेगांव हिंसा मामले में अपना रुख सामने रख चुके हैं। ठाकरे ने भीमा कोरेगांव हिंसा से एक दिन पहले हुई यलगार परिषद की जांच एनआईए को सौंपी है, वहीं वे राज्य में एनपीआर को मंजूरी दे चुके हैं। इसका राकांपा नेताओं ने खुलकर विरोध किया है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की कुल 288 सीटों में से भाजपा ने 105 सीटों पर जीत दर्ज की थी। शिवसेना दूसरे नंबर पर रही। उसने 56 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं, शरद पवार की पार्टी राकांपा तीसरे नंबर पर रही। राकांपा ने 54 सीटों पर जीत दर्ज की थी और कांग्रेस के खाते में 44 सीटें गई थीं।

शाहीन बाग...

शुक्रवार को शाहीन बाग पहुंचीं सीनियर एडवोकेट साधना रामचंद्रन ने प्रदर्शनकारियों से सवाल किया कि आप लोगों ने सिर्फ एक रोड बंद की है, तो दूसरी रोड को किसने बंद किया है? इस पर प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हम यहां पर धरने पर बैठे हैं और अपनी सुरक्षा के लिए रोड बंद किया है। इस पर सीनियर एडवोकेट संजय हेगड़े ने पूछा कि क्या आप लोगों ने ही दूसरी सड़क को बंद किया है, तो प्रदर्शनकारियों ने कहा कि दूसरी रोड के लिए हम जिम्मेदार नहीं है। इस पर साधना रामचंद्रन ने कहा कि तो क्या आपके मुताबिक सड़क बंद करने के लिए दिल्ली पुलिस जिम्मेदार है? इसके बाद वार्ताकारों ने रास्ते को लेकर दिल्ली पुलिस से पूछा, तो एसएचओ ने कहा कि रास्ते को प्रदर्शनकारियों ने बंद किया है। इस पर प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अगर दिल्ली पुलिस हमको सुरक्षा देने का आश्वासन दे, तो हम रास्ता खोल सकते हैं। इस पर दिल्ली पुलिस ने फौरन कह दिया कि हम प्रदर्शनकारियों को पूरी सुरक्षा देंगे। हालांकि प्रदर्शनकारी राजी नहीं हुए और कहा कि हमको दिल्ली पुलिस पर भरोसा नहीं हैं। दिल्ली पुलिस लिखित में सुरक्षा देने का वादा करे। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि अगर एंबुलेंस आती है, तो उसको निकलने के लिए हम रास्ता दे देते हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि शाहीन बाग में गोली चलती है, तो ऐसे माहौल में दिल्ली पुलिस हमको सुरक्षा कैसे दे पाएगी? प्रदर्शनकारियों ने कहा कि असम में एनआरसी लागू हुआ, तो जिन लोगों के पास कागजात नहीं थे, उनकी जमीन चली गई। प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा कि दिल्ली पुलिस वही पुलिस है, जिसने जामिया मिलिया इस्लामिया में घुसकर छात्रों पर लाठियां चलाई थी। शुक्रवार को प्रदर्शनकारियों की बात सुनने के बाद संजय हेगड़े ने कहा, हमने आपकी बात सुनी है। इसको सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा दूंगा। मैं सरकार का आदमी नहीं हूं, इसलिए कोई फैसला लेने का अधिकार मुझे नहीं है।

दादर में एक कपड़े की दुकान में भीषण आग

दमकल की 6 गाड़ियों को तकरीबन डेढ़ घंटे का समय लगा आग पर पूरी तरह से काबू करने के लिए। आग से किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। आग लगने के कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है। जिस समय आग लगी वहां कोई भी उपस्थित नहीं था। जिससे किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ। धुंआ उठता देख लोगों ने फायर ब्रिगेड को बुला लिया। चूंकि आग कपड़े की दूकान में लगी थी, जिससे काफी सामान जल कर खाक हो गया। आपको बता दें कि पिछले कुछ दिनों से मुंबई में आग लगने की घटनाओं में काफी वृद्धि हुई है। अभी कुछ दिन पहले ही अंधेरी के एक कॉर्पोरेट बिल्डिंग में आग लग गयी थी, यही नहीं अभी दो दिन पहले ही डोंबिवली के एमआयडीसी में आग लग गयी थी। मुंबई के मझगांव में स्थित जीएसटी भवन में भी भीषण आग लग गयी थी, जिसे बुझाने में भी फायर ब्रिगेड को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी।

कोरोनावायरस

चीन की जेलों में 500 नए मामले

30 हजार बेड के 19 नए अस्पताल खोले जाएंगे

संवाददाता

चीन समेत दुनियाभर में कोरोनावायरस का कहर जारी है। शुक्रवार को चीनी सरकार ने वहां की अलग-अलग जेलों में बंद 500 कैदियों में कोरोनावायरस के लक्षण मिलने की पुष्टि की है। चीन के प्रांतीय स्वास्थ्य आयोग के मुताबिक सर्वाधिक मामले वुहान की महिला जेल से हैं। यहां पूर्वी शेडोंग प्रांत के रेनचेंग जेल में सात गार्ड और 200 कैदियों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इसी तरह पूर्वी झेजियांग प्रांत के शिलिफेंग जेल में 34 मामलों की पुष्टि हुई है। इसके पहले 271 मामले गुरुवार को पुष्ट हुए थे। गुरुवार तक चीन के वुहान में कुल 45,346 मामले रिपोर्ट

हो चुके हैं। चीनी सरकार ने मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए 19 नए शिफ्टिंग अस्पताल खोलने का फैसला किया है। वुहान के डिप्टी मेयर हू याबो ने यह जानकारी दी। हू ने बताया कि सभी अस्पताल 25 फरवरी तक बनकर तैयार हो जाएंगे। इनकी क्षमता 30 हजार बेड की होगी। यहां कोरोनावायरस के इलाज से जुड़े सभी अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद होंगी। अभी तक वुहान में 13 अलग-अलग जगहों को अस्थायी अस्पताल में परिवर्तित किया जा चुका है। यहां कुल 13,348 बेड की सुविधा है। इससे पहले, दिल्ली के छावला स्थित आईटीबीपी ऑब्जर्वेशन सेंटर में रखे गए सभी 406 भारतीयों की रिपोर्ट निगेटिव आई है। 1 और 2 फरवरी को वुहान से लौटने के बाद सभी को यहां निगरानी में रखा गया था। खबर के मुताबिक, भारत अब पूरी तरह कोरोनावायरस से संक्रमण मुक्त हो गया है। केरल के संक्रमित तीनों छात्र की स्थिति बेहतर है। उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। उधर, चीन में नोवेल कोरोनावायरस (कोविड-19) से गुरुवार को 118 लोगों की मौत हुई। देश में अब तक मरने वालों की संख्या 2236 हो गई है। 75,465 संक्रमण के मामलों की पुष्टि हो चुकी है। वहीं, ईरान ने बताया कि कोरोना वायरस के 13 मामलों में से 2 मौतें हो गईं।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा- लाखों लोगों की थर्मल स्क्रीनिंग हुई

भारत के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि लाखों लोगों की थर्मल स्क्रीनिंग के बाद कुल 2,654 लोगों के नमूने संदेह के आधार पर जांच के लिए भेजे गए। इनमें केवल तीन की रिपोर्ट निगेटिव आई थी। चीन के वुहान से 1 और 2 फरवरी को एयर इंडिया के विमान से साल मालदीव के नागरिकों समेत 647 लोगों को निकाला गया था। सभी को दिल्ली के आईटीबीपी और मानेसर के सैन्य केंद्र में निगरानी के लिए रखा गया था।

सोमवार को लगभग 200 मरीजों को घर जाने की अनुमति मिली

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने सोमवार को आईटीबीपी सेंटर में वुहान से लौटे भारतीयों से मुलाकात की थी। 406 में से लगभग 200 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव आई थी। सोमवार को उन्हें घर भेज दिया गया था। वहीं, मानेसर के 252 रिपोर्टों की रिपोर्ट निगेटिव आई थी।

जापानी शिप पर संक्रमित 8 भारतीयों की स्थिति बेहतर

भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को कहा- जापान के शिप पर संक्रमित 8 भारतीय की स्थिति बेहतर हो रही है। गुरुवार से किसी भी अन्य युवकों के संक्रमित होने की रिपोर्ट नहीं मिली है। भारतीयों को वहां से निकालने के लिए जापान के अधिकारियों और शिप के अधिकारियों से बातचीत की जा रही है। न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबकि, शिप पर 634 लोग संक्रमित हैं।

पायल तडवी केस

हाई कोर्ट ने 3 आरोपियों को नहीं दी पोस्ट-ग्रैजुएशन पूरा करने की इजाजत

बॉम्बे हाई कोर्ट ने शुक्रवार को पायल तडवी सूइसाइड केस में आरोपी तीन महिला डॉक्टरों को नायर अस्पताल से पोस्ट-ग्रैजुएशन पूरा करने की इजाजत देने से इनकार कर दिया। जस्टिस साधना ने कहा कि जाधव हेमा आहूजा, भक्ति मेहर और अंकिता खंडेलवाल ग्रैजुएट्स हैं और ट्रायल के बाद पोस्ट ग्रैजुएशन पूरा कर सकती हैं। हाई कोर्ट ने स्पेशल कोर्ट को निर्देश भी दिया है कि ट्रायल को 10 महीने के अंदर पूरा किया जाए। कोर्ट ने शुक्रवार को सरकारी वकील राजा ठाकरे और नायर हॉस्पिटल के गाइनकॉलजी डिपार्टमेंट के अध्यक्ष गणेश शिदे को बताया कि स्टाफ और दूसरे डॉक्टर तीनों डॉक्टरो के वापस आने से सहज नहीं हैं। ठाकरे ने

कहा कि अगर आज उन्हें उसी कॉलेज में वापस जाने दिया गया तो यह सेदश जाएगा कि चाहे आपने कुछ भी किया हो, आपको सिर्फ कुछ महीने के लिए ही सजा झेलनी होगी। आरोपी डॉक्टरों के वकील आबाद पोंडा ने कहा कि तीनों को गाइनकॉलजी डिपार्टमेंट की दूसरी यूनिट में भेज दिया जाए। इस पर ठाकरे ने कहा कि ऐसा संभव नहीं है क्योंकि जो स्टाफ मामले में अहम गवाह हैं, वे सभी यूनिट्स में एक से हैं। जस्टिस जाधव ने इस बात को माना और कहा कि नायर अस्पताल के परिसर में पोस्ट ग्रैजुएशन पूरा करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। हाई कोर्ट ने अगस्त 2019 में जमानत देते वक्त तीन डॉक्टरों को निर्देश दिया कि वे सरकारी नायर हॉस्पिटल में नहीं जा सकतीं जहां घटना हुई थी। ट्रायल पूरा होने तक उनके मेडिकल लाइसेंस भी सस्पेंड कर दिए गए। जस्टिस जाधव ने शुक्रवार को कहा कि कोर्ट के पास क्षेत्राधिकार नहीं था कि आरोपी डॉक्टरों के लाइसेंस सस्पेंड किए जाते। कोर्ट ने कहा कि महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल ने पहले ही जांच शुरू कर दी और और वही लाइसेंस सस्पेंड करने को लेकर सही फैसला ले सकते थे। बता दें कि नायर अस्पताल में सेकंड-इयर पोस्टग्रैजुएट मेडिकल स्टूडेंट पायल तडवी ने अपने हॉस्टल रूम में 22 मई, 2019 को सूइसाइड कर लिया था। उन्होंने अपने सूइसाइड नोट में तीन सीनियर महिला डॉक्टरों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया था।

एआईएमआईएम भारतीय मुसलमानों के दिमाग में जहर घोलने की कोशिश कर रही है: राउत

शिवसेना के नेता संजय राउत ने अखिल भारतीय मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) पर भारतीय मुसलमानों को बार-बार गुमराह करने और उनके दिमाग में जहर घोलने का आरोप लगाया। एआईएमआईएम नेता वारिस पठान ने कर्नाटक में एक रैली को संबोधित करते हुए कथित रूप से कहा था कि 15 करोड़ मुसलमान 100 करोड़ पर भारी पड़ सकते हैं। पठान के इसी बयान के मद्देनजर राउत का बयान आया है। राउत ने दिल्ली में संवाददाताओं से कहा, आपको देश में मुसलमानों का नेता बनने का अधिकार किसने दिया है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में शिवसेना सत्ता में है और इसलिए वह संयम बरत रही है। राउत ने कहा, महाराष्ट्र में आपका कद क्या है? राज्य के मुसलमान एमवीए सरकार

के साथ हैं। एआईएमआईएम भारतीय मुसलमानों को बार-बार गुमराह कर रही है और उनके दिमाग में जहर घोलने की कोशिश कर रही है। यदि इस तरह के बयान बार-बार दिए गए, तो शिवसेना भी उसी भाषा में जवाब देगी। राकांपा प्रवक्ता एवं महाराष्ट्र में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री नवाब मलिक ने भी पठान के बयानों की निंदा की। उन्होंने कहा, हम पठान के विभाजनकारी एवं भड़काऊ बयानों की निंदा करते हैं। क्या साम्प्रदायिक बयान देने के लिए एआईएमआईएम और भाजपा ने मैच फिक्सिंग कर रखी है। पठान ने 16 फरवरी को उत्तरी कर्नाटक के कलबुर्गी में सीएए विरोधी रैली को संबोधित करते हुए कथित तौर पर ये बयान दिये थे। पठान को यह बोलते हुए सुना जा सकता है, हमें साथ चलना होगा। हमें आजादी लेनी होगी। जो चीजें मांगने से नहीं मिलती, हमें छीननी होगी। वह कहते सुने जा सकते हैं, अब वक्त आ गया है। हमें बोला कि मां-बहनों को आगे भेज दिया और खुद कंबल में बैठ गये। अभी तो सिर्फ शेरनियां बाहर निकली हैं और तुम्हारे पसीने छूट गये। समझ लो, हम लोग साथ आ गये तो क्या होगा। उन्होंने कहा, (हम) 15 करोड़ हैं, लेकिन 100 करोड़ पर भारी हैं। यह बात याद रख लेना। पठान दिल्ली के शाहीन बाग में सीएए के खिलाफ प्रदर्शन कर रहीं महिलाओं की आलोचनाओं की ओर इशारा कर रहे थे।

यह देश प्राचीन आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक खोजों, ऋषियों, वैज्ञानिकों और उनकी विश्व को दी गयी देन हैं

इस देश के लोग अपने प्राचीन आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक खोजों, ऋषियों, वैज्ञानिकों और उनकी विश्व को दी गयी देन के प्रति पूर्णतया अनभिज्ञ हैं। कांग्रेस और कम्युनिस्ट नेताओं, बुद्धिजीवियों, मुगलों और अंग्रेजों के गुलामों, चाटुकारों और सेवकों ने इस राष्ट्र के जन मानस के दिल दिमाग को अपने अतीत के महान वैभव, श्रेष्ठतम खोजों, अविष्कारों और महानतम जीवन मूल्यों के सृष्टा और उद्घोषकों के सम्बन्ध में पूर्णतया अनभिज्ञ और अँधा बनाये रखा है।उन्हें गलत और भ्रामक जानकारी, विद्रूपित इतिहास और तथ्य उपलब्ध कराये गयी है और उसे उनके दिल दिमाग पर थोप दिया गया है, उन्हें इतना बीमार और भ्रमित कर दिया है की वो अपने ही पूर्वजों और उनके गरिमामयी कार्यों को, अद्भुत उपलब्धियों को स्वीकार करने को राजी नहीं। वे उन्हें संदेह और घृणा की दृष्टि से देखते है, यह है गुलामी से हुए पतन और बेहद कुटिलतापूर्वक आयोजित सामूहिक ब्रेनवाश का भयानकतम परिणाम।

अशोक भाटिया

यहाँ के लोगों के अवचेतन में यह घर कर गया है की इस देश को जो कुछ मिला है, विदेशी हमलावरों और पाश्चात्य जगत से मिला है, यहाँ के लोग अपनी विराट सांस्कृतिक और एतिहासिक और आद्यात्मिक विरासत के प्रति बिलकुल भी जागरूक और संज्ञान में नहीं है, यही इस दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति की वजह है। जो राष्ट्र और उसके नागरिक अपनी संस्कृति और अतीत के गौरव के प्रति सम्मान और चेतना का भाव खो देते हैं वो हमारे राष्ट्र की तरह दुर्गति को प्राप्त होते हैं, वो अपने ऊपर हमला करने वालों उन्हें लूटने और पद दलित और भ्रष्ट करनेवालों को अपने से श्रेष्ट और श्रेयस मानने लगते हैं। यह उनके पतन और आत्महीनता की पराकाष्ठा होती है, और हमारा राष्ट्र इसी प्रोपेगंडा और षड्यंत्र का पिछले 1000 वर्षों से शिकार रहा है और अपनी रुग्णता के चरम से मुक्त होने की दिशा में अग्रसर हो रहा है।यहाँ लोगों ने संपत्ति, पद और सुविधाएँ तो प्राप्त कर ली हैं, लेकिन अपना आत्मगौरव और आत्मसम्मान गिरवी रख दिया है, देश के गद्दारों, शत्रुओं और दलालों के हाथों, और अपनी ही मातृभूमि को दूषित, कलंकित और अपमानित करने के घृणित षड्यंत्र में जी जान से भागीदारी कर रहे हैं, यह इस देश का सबसे बड़ा दुर्भाग्य और समस्या है। यहाँ के लोगों से आजादी सम्हाली नहीं गयी, और जो भी नेता मिले वो बेहद अदूरदर्शी, अव्यवहारिक, अनुभव विहीन, आत्मकेंद्रित और सत्ता सुन्दरी पर मुग्ध अपने ही लाभ और गौरव की प्रतिष्ठा में लीन रहे। उन्हें 1000 वर्षों की गुलामी से विकृत, अपनी जड़ों से उखड़े हुए, उत्पीडित और सांस्कृतिक रूप से मृत, समस्याग्रस्त कुपोषित, त्रस्त और लुटे हुआ राष्ट्र और इसके नागरिक, उन्होंने इनकी सुरक्षा की कोई भी फिक्र नहीं की, उनके लिए करोड़ों देशवासियों की दुर्दशा, जीवन, भविष्य और प्रगति उनका मुख्य लक्ष्य नहीं रहे। परिणाम यह हुआ जैसा राजा और नेता वैसी ही जनता हो गयी, वो भी अपने ही राष्ट्र को लूटने, नोचने खसोटने और भ्रष्ट करने में जी जान से लग गयी और पिछले 71 सालों में यही भाव प्रधान रहा है। यह बेहद शर्मनाक है की लूट और भ्रष्टाचार इस देश में शिष्टाचार और लोगों के जीवन का अभिन्न अंग बन गया है, गुलामी और आत्महीनता से कितना पतन हो सकता है किसी देश के लोगों का इसकी मिसाल है हमारा देश।

सोनभद्र में 3346 टन स्वर्ण भंडार मिलने का अनुमान

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले की सोन पहाड़ी में 2700 टन सोना और हरदी क्षेत्र में 646.15 टन सोने का भंडार होने का अनुमान है। भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। इं-टेंडरिंग से इसकी नीलामी का आदेश भी जारी कर दिया गया है। इससे पहले, खनिज स्थलों की जियो टैगिंग के लिए सात सदस्यीय टीम गठित कर दी गई है, जिसकी रिपोर्ट 22 फरवरी तक लखनऊ को सौंपी जाएगी। बता दें कि भारत सरकार के पास 618 टन सोना रिजर्व है। 2005 से ही यहां जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जीएसआई) की टीम अध्ययन कर रही है। टीम ने इस आधार पर ही सोनभद्र में सोना होने का दावा किया था। इसकी पुष्टि 2012 में हुई थी कि सोनभद्र की पहाड़ियों में सोना मौजूद है। हालांकि, अब तक इस दिशा में काम शुरू नहीं हुआ था। अब प्रदेश सरकार ने तेजी दिखाते हुए सोने के ब्लॉक के आवंटन के संबंध में प्रक्रिया शुरू कर दी है। करीब 12 लाख करोड़ रुपए की खनिज संपदा मिलने का अनुमान है। सोनभद्र के सलैयाडीह क्षेत्र में एडालुसाइट, पटवध क्षेत्र में पोटाश, भरहरी में लौह अयस्क और छपिया ब्लाक में सिलीमैनाइट के भंडार की भी खोज की गई है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अयोध्याः मस्जिद के लिए मिली 5 एकड़ जमीन सुन्नी वक्फ बोर्ड को मंजूर, रेकॉर्ड से हटेगा बाबरी

लखनऊ। यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड का कहना है कि उसने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के तहत अयोध्या में मस्जिद निर्माण के लिए मिली पांच एकड़ जमीन स्वीकार कर ली है। अयोध्या विवाद में सर्वोच्च अदालत के आदेश के बाद योगी आदित्यनाथ सरकार ने मस्जिद के लिए अयोध्या की सीमा के अंदर ही धुन्नीपुर गांव में यह जमीन दी है। वहीं मोदी सरकार ने मंदिर निर्माण के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट बनाया है।

बोर्ड के अध्यक्ष जुफर फारूकी ने साफ किया कि उनके पास कभी इसको खारिज करने की छूट नहीं थी। हम पहले ही कह चुके थे कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन किया जाएगा। फारूकी ने हमारे सहयोगी टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, 'जमीन को स्वीकार करने या खारिज करने का सवाल हमने कभी नहीं उठाया। जिन लोगों को सुप्रीम कोर्ट ने जमीन नहीं दी है, वे ही इसे न स्वीकार करने का शोर मचा रहे हैं। हमने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन करने का फैसला किया था।'

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत योगी सरकार ने अयोध्या की सोहावल तहसील के रौनाही थाना क्षेत्र में लगने वाले धुन्नीपुर गांव में मस्जिद के लिए 5 एकड़

जमीन चिन्हित की थी। अयोध्या पर फैसले के बाद सुन्नी बोर्ड ने अपने भावी कदम को लेकर चुप्पी साधी हुई थी। अब बोर्ड ने साफ किया है कि 24 फरवरी को होने वाली बैठक में अगले कदम के बारे में फैसला लिया जाएगा।

जमीन को स्वीकार करने या खारिज करने का सवाल हमने कभी नहीं उठाया। जिन लोगों को सुप्रीम कोर्ट ने जमीन नहीं दी है, वे ही इसे न स्वीकार करने का शोर मचा रहे हैं।

-सुन्नी वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष जुफर फारूकी

यूपी सरकार की ओर से मिली जमीन पर फारूकी ने कहा, '9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट का आदेश बिल्कुल स्पष्ट था कि राज्य सरकार हमें जमीन आवंटित करे और हमें इस पर मस्जिद और उससे जुड़ी दूसरी चीजें बनाने की छूट मिले। हमारे पास जमीन को स्वीकार न करने की छूट नहीं थी क्योंकि ऐसा करना कोर्ट की अवमानना होगा।'

'जमीन पर क्या करना है सदस्य फैसला करेंगे'

जब फारूकी से पूछा गया कि 24 फरवरी को बोर्ड की बैठक में क्या फैसला होगा तो उन्होंने कहा, 'बोर्ड के सदस्य फैसला करेंगे कि जमीन पे क्या करना है और कैसे करना है।' बोर्ड को यूपी सरकार का खत मिल चुका है लेकिन उसने अभी कोई जवाब नहीं भेजा है। 24 फरवरी की मीटिंग में बोर्ड के नाम जमीन ट्रांसफर की कानूनी प्रक्रिया पर चर्चा के बाद सरकार को जवाब भेजा जाएगा। फारूकी के अलावा बोर्ड में सात सदस्य हैं।

मस्जिद के साथ ही इस्लामिक कल्चरल सेंटर बनाने का भी प्रस्ताव मिला है। मस्जिद और दूसरी चीजों को बनाने के लिए पांच एकड़ जमीन काफी है। बाबरी मस्जिद केवल एक तिहाई एकड़ पर बनी थी।

-सुन्नी वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष जुफर फारूकी

'हमारे लिए 5 एकड़ जमीन काफी है'

फारूकी ने कहा, 'हमें जनता और बुद्धिजीवियों की ओर से कई प्रस्ताव मिले हैं। इसमें चैरिटी के लिए भी जमीन का इस्तेमाल करने का सुझाव है। मस्जिद के साथ ही इस्लामिक कल्चरल सेंटर बनाने का भी प्रस्ताव मिला है। मस्जिद और दूसरी चीजों को बनाने के लिए पांच एकड़ जमीन काफी है। बाबरी मस्जिद केवल एक तिहाई एकड़ पर बनी थी। यहां तक कि अगर हम उसी तरह की मस्जिद बनाएं (जिसकी जरूरत नहीं है) तो भी बहुत जगह बच जाएगी।'

बोर्ड के रेकॉर्ड से हटेगा बाबरी मस्जिद

फारूकी ने कहा कि बोर्ड के रेकॉर्ड्स से बाबरी मस्जिद को हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मस्जिद का कोई वजूद नहीं है और इसे जल्द ही रेकॉर्ड से हटा दिया जाएगा। 10 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद फारूकी ने टीओआई से कहा था कि बोर्ड अपनी बैठक में तय करेगा कि वह जमीन लेगा या नहीं। हालांकि 26 नवंबर को बैठक में बोर्ड ने फैसला किया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन किया जाएगा।

नसबंदी नहीं कराई तो कर्मचारियों को मिलेगा 'अनिवार्य रिटायरमेंट'

भोपाल। मध्य प्रदेश की कमलनाथ सरकार ने परिवार नियोजन प्रोग्राम में पुरुषों की भागीदारी बढ़ाने के लिए मेल मल्टी पर्पस हेल्थ वर्कर्स के लिए नया आदेश जारी किया है। इस आदेश में कहा गया है कि जो भी मेल वर्कर

2019-20 में एक भी पुरुष की नसबंदी नहीं करवा सका है उसका वेतन वापस लिया जाए। इतना ही नहीं, मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो ऐसे वर्कर्स जो भविष्य में दिए गए टारगेट को पूरा नहीं करेंगे, उन्हें अनिवार्य रिटायरमेंट भी दिया जाएगा। आपको बता दें कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक सूबे में सिर्फ 0.5 प्रतिशत पुरुषों ने ही नसबंदी करवाई है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण की रिपोर्ट का हवाला देते हुए सूबे के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ने जिलाधिकारियों, चीफ मेडिकल ऐंड हेल्थ ऑफिसरों से 'जीरो वर्क आउटपुट' देने वाले कर्मचारियों की पहचान करने को कहा है। अधिकारियों से कहा गया है कि 'नो वर्क नो पे' के सिद्धांत पर काम किया जाए। साथ ही आगे के लिए कहा गया है कि विभाग के पुरुष कर्मियों को परिवार नियोजन प्रोग्राम के तहत नसबंदी का टारगेट दिया जाए

आपको बता दें कि वर्तमान में राज्य की आबादी 7 करोड़ से अधिक है। प्रदेश में 25 जिले ऐसे हैं, जहां का टोटल फर्टिलिटी रेट (टीएफआर) तीन से अधिक है, जबकि एमपी में 2.1 टीएफआर का लक्ष्य है। ऐसे में हर साल 6 से 7 लाख नसबंदी ऑपरेशन के टारेगट होते हैं, लेकिन 20 फरवरी 2020 तक 2019-20 साल में सिर्फ 3,397 पुरुषों की नसबंदी हुई।। ऐसे मध्य प्रदेश सरकार ने कर्मचारियों के लिए हर महीने 5 से 10 पुरुषों का नसंबदी ऑपरेशन करवाना अनिवार्य कर दिया है।

सरकार के फैसले को लेकर कर्मचारियों में भारी आक्रोश है। कर्मचारियों का कहना है कि वे घर-घर जाकर जागरूकता अभियान तो चला सकते हैं, लेकिन किसी का जबरन नसबंदी ऑपरेशन नहीं करवा सकते। गौरतलब है कि पिछले पांच वर्षों में मध्य प्रदेश में नसबंदी कराने वाले पुरुषों की संख्या लगातार घट रही है। हैरान करने वाली बात यह है कि 20 फरवरी 2020 तक 2019-20 साल में नसबंदी कराने वाली महिलाओं की संख्या 3.34 लाख रही।

बीटेक स्टूडेंट की चाकू से गोदकर बेरहमी से हत्या

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार इलाके में स्थित अलकनंदा अपार्टमेंट में गुरुवार दोपहर युवक प्रशांत सिंह (20) की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई।

जानकारी के मुताबिक, प्रशांत को चाकू से तब तक गोदा गया, जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। प्रशांत अपार्टमेंट में रहने वाली मुंहबोली बहन को एक बर्थडे पार्टी में ले जाने के लिए इनोवा कार से पहुंचा था।

सीओ गोमतीनगर के मुताबिक, शुरूआती जांच में पता चला है कि प्रशांत का बुधवार रात एक बर्थडे पार्टी में बीबीडी के कुछ सीनियर स्टूडेंट्स से विवाद हुआ था। वह घटना वारदात की वजह हो सकती है। पुलिस ने मामले में 5 लोगों को हिरासत में भी लिया है।

सड़क के बीच रोकी कार, फिर दाग दीं 50 गोलियां

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी जिले में एक बार फिर गैंगवार छिड़ने की आशंका है। बुधवार देर रात कंझावला इलाके में दो कारों में भरकर आए हथियारबंद बदमाशों ने स्कॉर्पियो सवार प्रॉपर्टी डीलर की अंधाधुंध गोलियां बरसाकर हत्या कर दी। हमलावरों के सिर पर किस कदर खूनी खेल हावी था, यह पुलिस को मौके पर मिले गोलियों के 50 से अधिक खोखे से पता चल रहा है। पुलिस जांच से पता चला कि 30 वर्षीय अंचिल ठाकुर को सिर, हाथ, सीने और पेट में बेहद नजदीक से करीब 30 गोलियां मारी गईं। घटना बुधवार रात करीब 9 बजे कंझावला चौक के नजदीक चलते हुए ट्रैफिक के बीच हुई।

पुलिस अफसर इस वारदात को गैंगवार का नतीजा बता रहे हैं। परिवार के साथ रोहिणी जिले के कराला गांव में रहने वाले अंचिल के खिलाफ पहले से आपराधिक

मुकदमा दर्ज था। पुलिस के मुताबिक, गांव के ही एक युवक की अप्रैल 2019 में हत्या की कोशिश में वह जेल गया था। तीन महीने पहले ही जेल से बाहर आया था।

बीच सड़क हुए शूटआउट के पीछे पुलिस को दीपक तितर नाम के गैंगस्टर और उसके गुर्गों का हाथ होने का शक है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने दो शॉर्प शूटरों की पहचान की है। ये दोनों दीपक तितर गैंग के बदमाश हैं और हमलावरों की कार में सवार थे। इनकी तलाश में दिल्ली-एनसीआर के अलावा हरियाणा में छापेमारी की जा रही है।

बिहारः प्रशांत किशोर ने महागठबंधन का प्रस्ताव ठुकराया! पहले ही दिन 'बात बिहार की' हिट

पटना। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी सरगर्मी तेज है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (खऊव) से निकाले जाने के बाद प्रशांत किशोर एक तीसरा मोर्चा खड़ा करने की कवायद में जुटे हैं। इस बीच सूत्रों के मुताबिक प्रशांत किशोर ने महागठबंधन के साथ जाने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत ने गुरुवार को बात बिहार की कार्यक्रम की भी शुरूआत की। पहले दिन ही इससे तीन लाख से ज्यादा युवा जुड़े हैं।

पटना में हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के अध्यक्ष जीतन राम मांझी, विकासशील इंसान पार्टी (श्कढ) के मुकेश सहनी और राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (फछरढ) के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने प्रशांत किशोर से मुलाकात की। लेकिन सूत्रों के मुताबिक प्रशांत के दरबार से ये तीनों नेता खाली हाथ लौटे हैं। मुलाकात के दौरान प्रशांत ने राष्ट्रीय जनता दल की अगुआई वाले महागठबंधन के साथ जुड़ने का प्रस्ताव ठुकरा दिया है।

विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक बैठक में प्रशांत किशोर ने महागठबंधन से जुड़ने के तीनों नेताओं के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इस बैठक में प्रशांत को कई प्रस्ताव दिए गए थे लेकिन बताया जा रहा है कि उन्होंने सभी प्रस्तावों को नामंजूर कर दिया। प्रशांत ने पहले ही ऐलान कर रखा है कि वह किसी गठबंधन या पार्टी के साथ नहीं जाएंगे।

मोस्ट गूगल्ड लैंडमार्क्स की सूची पहले स्थान पर है फेमस ताज महल

प्यार की निशानी ताज महल की खूबसूरती को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दौरे को लेकर ताज महल इन दिनों चर्चा में है। भारत के सबसे बेहतरीन स्मारकों में से एक ताज महल मोस्ट गूगल्ड लैंडमार्क्स की सूची में पहले स्थान पर रहा है। ताज महल ने स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी, बिग बेन, लंदन आई, स्टोनहेंज जैसे दुनिया के कई महत्वपूर्ण स्मारकों को पछाड़ते हुए यह स्थान हासिल किया है। एक ट्रैवल बीमा कंपनी कोलंबस डायरेक्ट द्वारा किए गए शोध के बाद यह जानकारी सामने आई है।

शोधकताओं ने टॉप पर रहने वाले कीवर्ड्स को ढूंढने के लिए गूगल कीवर्ड प्लैनर का उपयोग किया है। जिससे पता चलता है कि दुनिया भर के लोग किन स्थानों को सबसे अधिक खोज रहे हैं। उत्तर प्रदेश के आगरा में स्थित ताज महल, यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की लिस्ट में शामिल है और इसे प्रेम के प्रतीक के रूप में जाना जाता है। अध्ययन से पता चला कि ताज महल के बारे में हर महीने दुनिया भर में 14,17,650 बार सर्च किया गया है। वहीं दूसरे स्थान पर रहे पेरू के माचू पिचू को दुनिया भर में हर महीने 12,69, 260 बार गूगल किया गया।

बता दें कि ताज महल का निर्माण 1632 में मुगल बादशाह शाहजहां ने अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में करवाया था। सफेद संगमरमर से बनी यह खूबसूरत इमारत दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करती है,

जिसमें सेलिब्रिटी और देशों के प्रमुख भी शामिल हैं। इस लिस्ट में यूएई का बुर्ज खलीफा तीसरे स्थान पर है। अमेरिका और कनाडा की सीमा पर स्थित नायग्रा वाटर फॉल चौथे और फ्रांस का एफिल टॉवर पांचवें स्थान पर रहा। इस लिस्ट में ब्रिटेन का स्टोनहेंज छठे, नेपाल का माउंट एवरेस्ट सातवें, अमेरिका का स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी 8वें स्थान पर मौजूद है। वहीं ग्रेट वॉल ऑफ चाइना को सूची में 27 वां स्थान दिया गया है।

ताकि बच्चा मातृभूमि की मिट्टी पर रखे पहला कदम, पिता ने खर्च किए 200 डॉलर

आमतौर पर हम सभी को अपनी जन्मभूमि से बेहद प्यार होता है। यहां की मिटटी से एक अलग ही लगाव होता है। पढ़ाई और नौकरी के लिए भले ही हम कितने ही दूर क्यों न चलें जाएं लेकिन जन्मभूमि के लिए प्रेम कभी कम नहीं होता। ऐसा ही कुछ दीवानगी सात समंदर पार अमेरिका में भी देखने को मिली है। यहां एक शख्स की मिट्टी के प्रति दीवानगी ये है कि उन्होंने अपने बच्चे के पहले कदम के लिए बकायदा अपनी मातृभूमि की मिट्टी खरीदकर मंगवाई। इसके लिए उन्होंने 200 डालर रुपये खर्च किए।

टोनी ट्रेकोनी अमेरिका के प्रांत टेक्सास में रहते हैं। यहीं उनका जन्म हुआ और आगे की पढ़ाई-लिखाई भी सब यहीं हुई। वे पेशे से सेना के जवान हैं। टोनी ट्रेकोनी चाहते थे कि जब भी उनके बच्चे का जन्म हो, तो वह अमेरिका यानी उनकी मातृभूमि पर ही हो। लेकिन जब वाइफ प्रेग्नेंट हुई तब उनकी पोस्टिंग इटली के प्रांत पडुआ में हो गई। उन्हें उम्मीद थी कि डिलीवरी तक वह अपने देश लौट जाएंगे।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
काम की अधिकता रहेगी। विचलित न हों संयम बनाए रखें। अपना व्यवहार कार्यालय में ठीक रखें। वाहन दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं।

सिंह
काम अधिक होने से चिड़चिड़ाहट हो सकती है। अधिकारी से विवाद हो सकता है। काम पेंडिंग न रखें। धन की कमी रहेगी।

धनु
काम की अधिकता रहेगी। समय पर सब काम पूरे हो जाएंगे। अपना काम किसी और को न सौंपें। मांगलिक कार्यक्रमों में जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

वृष
अचानक काम के सिलसिले में यात्रा पर जाना पड़ सकता है। सहकर्मी से विवाद हो सकता है। धनतंगी रहेगी।

कन्या
प्रॉपर्टी में निवेश के लिए अभी समय अनुकूल नहीं है। किसी को उधार न दें। वाहन सतर्कता से चलाएं। खानपान में अति न करें।

मकर
कॅरियर को लेकर चिंता बढ़ सकती है। तनाव ग्रस्त हो सकते हैं। इसका स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ेगा। खानपान का ध्यान रखें।

मिथुन
प्रॉपर्टी संबंधी मामलों में सफलता मिलेगी। कोई भी निर्णय सोच समझकर लें। काम के सिलसिले में यात्रा पर जाना पड़ सकता है। वाहन सावधानी से चलाएं।

तुला
कोई आपको भ्रमित करने का प्रयास कर सकता है। अच्छा होगा सतर्कता से कोई निर्णय लें। चोरी, दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं।

कुंभ
अपने कॅरियर को लेकर चिंता बढ़ेगी लेकिन समय के साथ सब ठीक हो जाएगा। बच्चों को शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिल सकती है।

कर्क
बच्चों को लेकर चिंता बनी रहेगी। कॅरियर के लिए निर्णायक दौर चल रहा है। कोई आपको बरगलाने का प्रयास कर सकता है। सतर्क रहें।

वृश्चिक
किसी के प्रलोभन में न आएं काम बिगड़ सकते हैं। अनावश्यक विवादों में न पड़ें। अधिकारी वर्ग की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है।

मीन
कोई अनजान व्यक्ति आपको धोखा दे सकता है। किसी को कर्ज न दें। वाहन दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं। समय प्रतिकूल चल रहा है इसलिये सतर्क रहें।

प्लास्टिक फ्री होगा गोवा कार्निवल 2020, जानें हर बड़ी बात

दुनिया भर में फेमस गोवा कार्निवल 22 फरवरी से शुरू होने वाला है। कार्निवल में गोवा की शानदार संस्कृति और जीवन की झलक देखने को मिलती है। इस कार्निवाल को गोवा के मुख्य फेस्टिवल के तौर पर सेलिब्रेट किया जाता है और इसमें खूब सारी मौज-मस्ती होती है। इस मौके पर गोवा में जश्न का माहौल रहता है, इसलिए इसमें हिस्सा लेने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में टूरिस्ट आते हैं। इस बार कार्निवल को प्लास्टिक मुक्त होगा। पणजी के मेयर उदय मडकईकर ने शनिवार को कहा कि 'गोवा कलोनियल लेगेसी फेस्टिवल' कार्निवल इस वर्ष प्लास्टिक मुक्त होगा।

इस साल गोवा कार्निवल 22 फरवरी को शुरू होगा और 25 फरवरी तक चलेगा। इसी दौरान महाशिवरात्रि 21 फरवरी यानी शुक्रवार से गोवा फूड ऐंड कल्चरल फेस्टिबल 2020 का भी आयोजन होना है। इस अनुअल सेलिब्रेशन की प्रमुख जगह पणजी, मापूसा, मडगांव और वास्को डी गामा हैं। कार्निवल शोभायात्रा गोवा की औपनिवेशिक पुर्तगाली विरासत का प्रतीक हैं और हर साल लेंट के पवित्र मौसम से पहले इसे आयोजित किया जाता है। फेस्टिवल में लोग परेड में शामिल होते हैं और डांस करते हैं। इस फेस्टिवल का नेतृत्व किंग मोमो या कार्निवल के राजा द्वारा किया जाता है।

स्थानीय लोगों द्वारा चुनी गई हस्ती ही कार्निवल का राजा या किंग मोमो होता है, जिसे शहर की चाबी दी जाती है। पणजी में उद्घाटन परेड के बाद अन्य शहरों जैसे मार्गो, वास्को, पोंडा, मोरजिम और कचोरेम में भी इसी तरह की फ्लोट परेड आयोजित किए जाते हैं। इस दौरान आप कार्निवल में इंजॉय करने के अलावा गोवा में सनसेट देखते हुए बीच पर रिलैक्स भी कर सकते हैं। मडकईकर ने कहा, 'इस साल हम प्लास्टिक फ्री कार्निवल मनाएंगे। राज्य की राजधानी पणजी में पहले से ही लोगों को प्लास्टिक के इस्तेमाल से रोका जा रहा है। इसलिए कार्निवल में प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाना इस अभ्यास का विस्तार करने जैसा है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

10 दिनों में पतले आईब्रो भी होंगे मोटे, इस्तेमाल करें ये तेल

आंखे चेहरे का सबसे ज्यादा खूबसूरत हिस्सा है। इनकी खूबसूरती को और भी बढा देते हैं आईब्रो। जिस तरह हर किसी के चेहरे की शेप अलग-अलग तरीके की होती है उसी तरह आईब्रो शेप में भी बहुत फर्क होता है। पतले की अपेक्षा मोटे और घने आईब्रो चेहरे को ज्यादा आकर्षित बना देते हैं लेकिन कुछ लड़कियों के आईब्रो पतले होते हैं, जिसके लिए उन्हें पैंसिल का इस्तेमाल करना पड़ता है। आज हम आपको कुछ आसान घरेलू नुस्खों के बारे में बता रहे हैं, जिससे आईब्रो की हेयर ग्रोथ बढ़ने लगेगी।

1. कैस्टर ऑयल

कैस्टर ऑयल कम खर्च में हेयर ग्रोथ बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका है। कैस्टर आयल की दो बूंदे लेकर अंगुलियों के आईब्रो की 2-3 मिनट मसाज करें। इसके 30 मिनट बाद गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। इस बात का ध्यान रखें कि यह तेल अगर किसी तरह की जलन करे तो इसका इस्तेमाल करना बंद कर दें।

2. दूध

प्रोटिन और विटामिन से भरपूर दूध बालों को पोषण देने में भी लाभकारी है। रात को सोने के पहले कॉटन बॉल पर थोड़ा सा दूध लगाकर आईब्रो पर लगाएं। इससे बहुत फायदा मिलेगा।

3. नारियल का तेल

रोजाना रात को सोने से पहले आईब्रो पर नारियल का तेल लगाएं। इससे स्किन भी ग्लोइंग और मुलायम बनेगी। आंखों के आसपास झुर्रिया भी नहीं पड़ेगी।

4. एलोवीरा जूस

हेयर ग्रोथ के लिए एलोवीरा जैल भी बहुत फायदेमंद है। इससे बालों को न्यूट्रिशियंस भी मिलता है। एलोवीरा जैल आईब्रो हेयर पर लगाने से कुछ ही दिनों में बाल घने होने लगते हैं।

छूट जाएगी चैटिंग की लत बस करें ये काम

आजकल के मॉडर्न जमाने में टेक्नोलॉजी लोगों पर अपना अच्छा खासा असर दिखा रही है। हर कोई चाहता है कि उसके पास बढ़िया मोबाइल, लैपटॉप,कंप्यूटर,ई डायरी के अलावा लेटेस्ट टेक्नोलॉजी हो। भले ही आजकल लोगों के पास समय की कमी है, परिवार या दोस्तों से मिलने या फिर बात करने का समय नहीं है लेकिन मोबाइल पर चैटिंग करने में कुछ लोग दिन में 15-16 घंटे तो बिता ही लेते हैं। जिसका असर उनकी सेहत पर भी पड़ रहा है। जैसे मानसिक रूप से थकान,डिप्रैशन, सर्वाइकल,डिप्रैशन के अलावा और भी बहुत से रोग देखने को मिल रहे हैं। आप भी अपनी इस लत से परेशान हैं तो कुछ टिप्स अपना कर इससे छुटकारा पा सकते हैं। आइए जानें किस तरह से निकले आनलाइन चैटिंग एडिक्शन से बाहर।

चैटिंग नहीं मिलें फेस टू फेस

चैटिंग का मतलब है कि आप अपने दूर के दोस्तों के साथ भी जुड़े हुए हैं लेकिन लोग तो अपने पास बैठे लोगों से भी जब चैटिंग के जरिए बात करनी शुरू कर देते हैं तो यह परेशानी की बात है। कोशिश करें कि कभी-कभार फेस टू फेस भी दूसरों के बातचीत करें। आप इससे आसानी से दूसरों को अपने मन की बात बता सकेंगे। धीरे-धीरे चैटिंग की लत भी छूट जाएगी।

नियम से आफलाइन रहें

अपनी लाइफ में यह नियम बनाएं कि दिन में कम से कम 2 घंटे तक अपनी मोबाइल ऑफ रखें।

ऐसा बैटरी खत्म होने पर नहीं बल्कि आदत बना कर ही स्विच ऑफ करें। धीरे-धीरे समय को बढ़ाते जाएं।

शारीरिक दिक्कतें होना

मोबाइल या इंटरनेट का ज्यादा इस्तेमाल करने वाली महिलाएं जो चैटिंग की लत का शिकार हैं वह सेहत से जुड़ी परेशानियों से गुजर रही हैं। जैसे हड्डियों और जोड़ों में दर्द, आंखों की परेशानियां,थकावट आदि। इसका कारण है घंटों एक ही पॉजीशन में बैठे रहना। एक्सरसाइज न करना इससे धीरे-धीरे हड्डियां कमजोर होनी शुरू हो जाती हैं। शारीरिक फिटनेस के लिए घर से बाहर सैर करने जाएं कोशिश करें कि मोबाइल घर पर ही छोड़ दें।

परिवार को दें पूरी समय

मोबाइल से कुछ देर दूरी बना कर परिवार के साथ समय बिताएं। उनके साथ बाहर घूमने जाएं, शॉपिंग करें, अपनी परेशानियां, दिक्कतें और छोटी-छोटी खुशियां चैटिंग नहीं बल्कि पारिवारिक सदस्यों के साथ बांटें।

हर छोटी-मोटी परेशानियां का हल हैं ये मसाले, ऐसे करें इस्तेमाल

भारतीय रसोई का मसालों से गहरा नाता हैं या यूं कहिए कि यह भारती रसोई का अभिन्न अंग है। इनके बिना खाने का स्वाद अधूरा रहता है, साथ ही में सेहत के नजरिए से भी यह काफी फायदेमंद होते हैं। सर्दियों में इनकी डिमांड बढ़ जाती है क्योंकि इसमें पाए जाने वाले औषधीय गुण ठंड में शरीर को गर्म रखते हैं और कई तरह की गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। सौंफ-अजवाइन हो या काली मिर्च-लौंग, यह छोटे-छोटे मसाले इतने कमाल के हैं कि आपको लंबी उम्र तक हैल्दी और फिट रखने के लिए काफी हैं। हर मसाले की अपनी अलग ही खासियत हैं लेकिन यह आपको फायदा तभी पहुंचाएंगे जब आप इन्हें उचित समय और सही मात्रा में लेंगे।

1. अजवाइन

अजवाइन का इस्तेमाल लगभग हर रसोई में होता है। अजवाइन के छोटे-छोटे दाने पेट संबंधी दिक्कतों को दूर रखते है। अगर आपको अपच की समस्या रहती हैं तो आपको खाने के 5 से 10 मिनट बाद थोड़ी सी अजवाइन गर्म पानी के साथ लेनी चाहिए। इसके अलावा यह पेट के मरोड़, अफारे को ठीक करती हैं। इससे पेट के कीड़े नष्ट होते हैं

2. हल्दी

हल्दी के बिना सब्जी और करी में रंग नहीं आता लेकिन इसके अलावा भी इसके गुण कम नहीं है। विटामिन ए, प्रोटीन व काबोर्हाइड्रेट जैसे कई खनिज तत्वों से भरपूर हल्दी में जमे कोलेस्ट्रोल को घोलने की शक्ति होती है। इसमें एंटीसेप्टिक , एंटी बायोटिक और एंटी एलर्जिक गुण होते है जो सर्दी खांसी को दूर रखने में मददगार साबित होते हैं। हल्दी खून पतला और साफ करने का काम भी करती हैं। शरीर में किसी तरह के दर्द, बाहरी व अंदरूनी चोट, फ्रेक्चर में हल्दी बेहद कारगर साबित होती हैं। हल्दी मिला दूध सबसे फायदेमंद होता है।

3. जीरा

सब्जी में लगा जीरे का छौंका उसके स्वाद को दोगुना कर देता है। यह खाना पचाने में सहायक होता हैं और एसिडिटी और गैस की परेशानी को दूर रखता है। छाछ में भूना जीरा डालकर पीने से दस्त ठीक हो जाते हैं।

4. सौंठ

सौंठ अदरक का ही रूप हैं बस जब यह गीली होती हैं तो अदरक और सूखने पर सौंठ कहलाती हैं। इसकी तासीर काफी गर्म होती हैं। जिन्हें गठिया या जोड़ों के दर्द की परेशानी रहती हैं उन्हें सौंठ का सेवन करना चाहिए।अदरक की चाय से सर्दी, जुकाम, खांसी, सिरदर्द ठीक से राहत मिलती हैं।

5. लौंग

लौंग के एंटीसेप्टिक गुण संक्रमण को दूर रखते हैं। इसकी चाय पीने से आपका ठंड से तो बचाव रहता ही हैं, साथ ही में भूख भी बढ़ती हैं। सांसों की दुर्गंध दूर करने के लिए आप लौंग बेहद लाभदायक होते हैं। इससे पाचन शक्ति बढ़ती हैं। दांत के जिद्दी दर्द में भी यह बहुत काम आते हैं।

6. इलायची

इलायची दो तरह की होती हैं एक छोटी यानी हरी इलायची और बड़ी यानी काली इलायची। काली इलायची का इस्तेमाल ज्यादातर सर्दियों में ही किया जाता है क्योंकि यह तासीर में गर्म होती हैं। हरी इलायची वाला दूध पाचन क्रिया ठीक रखता हैं इससे तनाव,एसिडिटी दूर होती है। इसके अलावा सांसों में बदबू दूर होती है।

7. काली मिर्च

खाने में काली मिर्च का अलग ही स्वाद आता है। सर्दी-जुकाम और खांसी से बचाव के साथ मलेरिया व वायरल बुखार में भी फायदा पहुंचाती हैं काली मिर्च। यूरिक एसिड के मरीजों के लिए काली मिर्च खाना फायदेमंद होता है।

8. हींग

तासीर से गर्म हींग पित्त प्रधान होती है। गर्भवती को इसका सेवन नहीं करना चाहिए। हींग पेट की गैस को दूर करती है। इसे गुड़ के साथ खाने से पेट के कीड़े नष्ट होते हैं

9. मेथी दाना

मेथी से विटामिन ए , केल्शियम , आयरन , पोटैशियम तथा बी कॉम्लेक्स मिलता है। यह मधुमेह, जोड़ों के दर्द आदि से बचाव करती है। बालों के लिए इसे बहुत अच्छा माना जाता है।

10. दालचीनी

सदियो से आयुर्वेद में इसे औषधीए रूप से इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें कैल्शियम, मैगनीज व आयरन भरपूर होता है।

- वजन घटाने में बेहद कारगर
- एसिडिटी में फायदेमंद
- कैंसर से बचाव
- सर्दी खांसी से राहत

11. राई

राई शरीर में गैस नहीं बनने देती और पाचन को सही रखती हैं। इसे अगर आप छाछ के साथ छोंक लगाकर पीए तो दस्त की परेशानी ठीक होती हैं।

12. धनिया

धनिए की तासीर ठंडी होती है। ये एसिडिटी , पेट की गर्मी, पेशाब की जलन , शरीर की जलन आदि को दूर रखती है। बवासीर के मरीजों को इसका सेवन करने से आराम मिलता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पोर्ट्स हलचल

मुंबई, शनिवार
22 फरवरी, 2020

पहले दिन का खेल समाप्त, टीम इंडिया मुश्किल में

वेलिंग्टन। अजिंक्य रहाणे को छोड़कर भारत का कोई बल्लेबाज बेसिन रिजर्व की तेज उछालभरी पिच पर टिक नहीं सका और पहले टेस्ट के शुरूआती दिन विराट कोहली की टीम ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक पांच विकेट 122 रन पर गंवा दिए। बारिश के कारण आखिरी सेशन का खेल नहीं हो पाया।

अपना पहला टेस्ट खेल रहे काइल जैमीसन ने 14 ओवरों में 38 रन देकर तीन विकेट लिए। पहले दिन की नम विकेट पर भारतीय बल्लेबाज बुरी तरह नाकाम रहे। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने इतना अनुशासित प्रदर्शन किया कि दूसरे सत्र में सिर्फ 43 रन बने। रहाणे ने 122 गेंद में चार चौकों की मदद से 38 रन बना लिए हैं। ऋषभ पंत 10 रन बनाकर खेल रहे हैं। मयंक अग्रवाल ने 84 गेंद में 34 रन बनाए जो लंच के बाद ट्रेंट बोल्ट को पुल शाट खेलने के प्रयास में आउट हुए। वहीं हनुमा विहारी (सात) जैमीसन का तीसरा शिकार बने।

सुबह न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का दुरुस्त फैसला लिया। पृथ्वी साव (18 गेंद में 16 रन) , चेतेश्वर पुजारा (42 गेंद में 11 रन) और कप्तान कोहली (सात गेंद में दो रन) क्रीज पर टिक ही नहीं सके।

युवा बल्लेबाज साव ने दो चौके लगाए लेकिन कमजोर तकनीक का उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा। साउदी की गेंद उनके पैड से टकराकर ऑफ स्टम्प पर जा लगी। पुजारा ने काफी संयम के साथ ऑफ स्टम्प से बाहर जाती गेंदों का सामना किया।

दूसरे बदलाव के तौर पर आए जैमीसन ने हालांकि उनका संयम तोड़ दिया। जैमीसन की उछाल लेती एक गेंद पुजारा के बल्ले से टकराकर विकेटकीपर बीजे वॉटलिंग के हाथ में गई। इसी तरह से उन्होंने कोहली को पवेलियन भेजकर भारत को सबसे बड़ा झटका दिया। कोहली ने अपना सौवां टेस्ट खेल रहे रॉस टेलर को पहली स्लिप में कैच थमाया।

महिला टी20 वर्ल्ड कप शुरू: इंडिया चाहे पहला खिताब

सिडनी। आज से ऑस्ट्रेलिया में 7वां आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप शुरू होने जा रहा है। मेजबान और डिफेन्डिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड कप का खिताब सबसे ज्यादा 4 बार (2010, 2012, 2014 और 2018) जीता है। आज उसका पहले मुकाबले में सामना भारत से है, जो आज तक एक भी दफा महिला टी20 वर्ल्ड कप का खिताब नहीं जीत पाया है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया सहित कुल 10 टीमें टूनार्मेंट में हिस्सा लेंगी। थाइलैंड की टीम पहली बार टी20 वर्ल्ड कप में खेलेगी। उसने और बांग्लादेश ने क्वॉलिफाइंग टूनार्मेंट के जरिए वर्ल्ड कप का टिकट कटाया।

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में खेलने उतरी भारतीय टीम बेहद युवा है। उसके खिलाड़ियों की औसत उम्र 23 वर्ष है। उसके पास जेमिमा रोड्रिगेज, शेफाली वर्मा, ऋचा घोष और राधा यादव के रूप में ऐसी खिलाड़ी हैं, जिनकी उम्र 19 वर्ष या इससे कम हैं। वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले भारत ने ऑस्ट्रेलिया में मेजबान टीम और इंग्लैंड टीम के खिलाफ ट्राई सीरीज खेली और फाइनल तक का सफर तय किया। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हारने वाली भारतीय टीम ने टूर्नमेंट में मेजबान देश और इंग्लैंड को 1-1 बार हराया। इसमें स्मृति मंधाना (5 मैचों में 216 रन) और लेफ्ट आर्म स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ (5 मैचों में 10 विकेट) का प्रदर्शन शानदार रहा। भारतीय टीम युवा शक्ति के बूते अपने खिताब के लिए मजबूत दावेदारी पेश कर रही है।

इंडियन सुपर लीग: हैदराबाद एफसी ने 5-1 की जीत से किया सत्र का समापन

नई दिल्ली। हैदराबाद फुटबॉल क्लब ने गुरुवार को हीरो इंडियन सुपर लीग सत्र का समापन नार्थईस्ट यूनाईटेड एफसी पर 5-1 की जीत से किया। लिस्टन कोलासो (12वें और 41वें मिनट) और मार्सेलिन्हो (13वें और 88वें मिनट) ने दो-दो गोल किए। टीम के लिए मोहम्मद यासिर ने 55वें मिनट में एक गोल किया। इससे हैदराबाद ने सत्र में दूसरी जीत दर्ज की। नार्थईस्ट यूनाईटेड के लिए सांत्वना गोल एंड्रयू कियोग ने 35वें मिनट दागा। हैदराबाद ने 18 मैचों में 10 अंक से तालिका में निचले पायदान पर सत्र का समापन किया। नार्थईस्ट 13 अंक से नौंवे स्थान पर कायम है और उसे अभी एक और मैच खेलना है।

दुबई ओपन: सानिया मिर्जा और गर्सिया की युगल के प्री क्वॉर्टर फाइनल में एंट्री

दुबई। भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और फ्रांस की उनकी जोड़ीदार कारोलिन गर्सिया ने मंगलवार को यहां दुबई ओपन टेनिस टूर्नमेंट के महिला युगल के प्री क्वॉर्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। सानिया और गर्सिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रूस की अल्ला कुद्रीयावत्सेवा और स्लोवानिया की कैटरीना सर्बोतनिक पर संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की।

एक बेटे की मां बनने के बाद दमदार वापसी करने वालीं सानिया और गर्सिया की जोड़ी ने पहले दौर में अपनी रूसी प्रतिद्वंद्वी टीम पर 6-4, 4-6, 10-8 से जीत दर्ज की।

उनका अगला मुकाबला चीन की साइसाइ च्यांग और चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेसीकोवा की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से होगा। 33 साल की सानिया पिंडली की चोट से उबरने के बाद दुबई ओपन में वापसी कर रही हैं।

दिव्या के लिए भाई देव मैट पर बन गए सहारा, खुद लड़ते हैं बहन के साथ

नई दिल्ली। दिव्या के स्वर्ण पदक जीतने की खुशी भाई देव काकरान और दोस्त नीना के चेहरे पर देखते ही बनती थी। देव खुद तो पहलवान नहीं बन पाए, लेकिन वह मैट पर बहन के साथी बन गए। बहन को मैट पर प्रैक्टिस के लिए मजबूत पहलवान मिले इसके लिए उन्होंने लखनऊ साई सेंटर के बाहर किराए का मकान लिया। कुश्ती संघ ने भी दिव्या को कैंप में मैट पर प्रैक्टिस कराने की अनुमति दे दी। यही नहीं दिव्या की दोस्त नीना ने कमरे पर उनका ख्याल बड़ी बहन सरीखा रखा। दिव्या कैंप में कैंटीन में नहीं बल्कि नीना के हाथ बना खाना

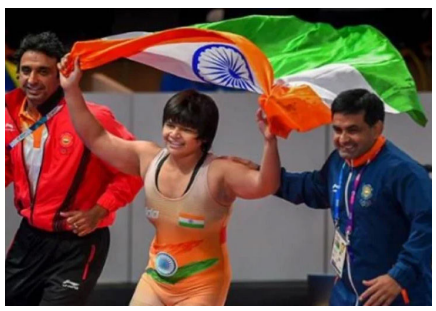

खाती है। यही कारण था कि सीनियर वर्ग में पहली बार स्वर्ण जीतने पर दिव्या के मुंह से देव और नीना के लिए तारीफों के शब्द थम नहीं रहे थे।

सिर्फ देव और नीना ही नहीं भारतीय कुश्ती के पितामाह माने जाने वाले जार्जियाई कोच ब्लादीमीर मेट्रेशविली ने बीचे छह माह में दिव्या की तकनीक पर खूब काम किया। दिव्या के मुताबिक वह खूब मेहनत कर रही थीं, लेकिन परिणाम सामने नहीं आ रहे थे। ऐसे में उन्होंने ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट से सुशील कुमार के साथ जुड़े कोच कोच ब्लादीमीर को मांगा।

दिव्या के मुताबिक ब्लादीमीर के आने के बाद ही उन्हें यह परिणाम मिला है। वहीं दिव्या के पिता को दुख है कि उनकी बेटी रहती तो दिल्ली में है, लेकिन उसे अपनाया उत्तर प्रदेश ने। दिल्ली की ओर से दिव्या को कभी नहीं अपनाया गया इसका उन्हें हमेशा दुख रहेगा।

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में युनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग और प्रसारण कंपनी केलिए कुत्ते मुसीबत बन गए। कुत्तों ने मैट के सामने लगे कैमरे की तार को नोच डाला। यही नहीं एक मैट पर लगे कैमरों को कुत्तों ने बुरी तरह नुकसान पहुंचाया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शाहिद से ब्रेकअप पर बोलीं करीना

करीना कपूर खान और शाहिद कपूर के ब्रेकअप की खबरें लंबे वक्त तक सुर्खियों में रही थीं। इसके बाद दोनों ऐक्टर्स अपनी लाइफ में आगे बढ़ गए। दोनों इस बारे में बात करने से हमेशा बचते रहे हैं। करीना ने हाल ही में 'जब वी मेट' में शाहिद के साथ काम करने और उनसे अलग होने और 'टशन' के सेट्स पर सैफ अली खान से मिलने पर बात की। खबर के मुताबिक, करीना ने बताया कि जब वह इम्तियाज अली की फिल्म 'जब वी मेट' के सेट्स पर थीं तो वह 'टशन' में काम करने के लिए ज्यादा एक्साइटेड थीं। उन्होंने इस फिल्म के लिए काफी वजन कम किया था और साइज जीरो पर आ गई थीं। उन्हें लग रहा था कि यह फिल्म उनकी जिंदगी और करियर बदल देगी इसलिए उनसे इंतजार नहीं हो रहा था। अपनी सबसे पसंदीदा फिल्म 'जब वी मेट' के बारे करीना ने बताया कि उस वक्त वह शाहिद को डेट कर रही थीं और उन्होंने ही 'जब वी मेट' में काम करने के लिए उन्हें मनाया था। उन्होंने बताया कि शाहिद ने ही कहा था कि फिल्म में लड़की वाला जो हिस्सा है वह काफी मजेदार है और उन्हें इसे कर लेना चाहिए। जब फिल्म करियर की सबसे हिट फिल्मों में शामिल हो गई तो दोनों अलग हो गए। शाहिद से ब्रेकअप के बारे में उन्होंने कहा कि किस्मत का कुछ और प्लान होता है। इस फिल्म और 'टशन' की शूटिंग के दौरान बहुत कुछ हुआ और उनकी जिंदगियों में भी।

शिल्पा शेट्टी कुंद्रा दूसरी बार बनी मां

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी कुंद्रा मां बन गई हैं। शिल्पा ने एक बेटी को जन्म दिया है। बेटी का नाम समिषा शेट्टी रखा गया है। सरोगेसी के जरिए शिल्पा शेट्टी ने इस बच्ची को जन्म दिया है। बच्ची का जन्म 15 फरवरी को हुआ था। हालांकि शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा ने इसकी जानकारी अब सार्वजनिक करते हुए सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में मासूम समिशा अपनी मां शिल्पा की उंगलिया पकड़ी हुई हैं। हालांकि बच्ची का चेहरा नजर नहीं आ रहा है। जैसे ही शिल्पा शेट्टी ने इस तस्वीर के साथ यह जानकारी शेयर की, यह तस्वीर वायरल हो गई। सभी लोग शिल्पा और राज को बधाई दे रहे हैं। बता दें कि यह शिल्पा शेट्टी की दूसरी संतान है। इससे पहले उनका बेटा विआन हैं। शिल्पा और राज ने वर्ष 2009 में शादी की थी। 2012 में शिल्पा ने पहले बच्चे को जन्म दिया था। शिल्पा सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय भी हैं। उनके लाखों फॉलोअर्स हैं और सभी उनके बारे में जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। ऐसे में शिल्पा ने अपने फैंस को अब यह खुशखबरी सुना दी है। इस खुशखबरी को शेयर करते हुए शिल्पा ने लिखा, ओम श्री गणेशाय नमः। हमारी प्रार्थनाओं का जवाब एक चमत्कार के साथ मिला है।

इंस्टाग्राम पर सबसे अधिक फॉलो की जाने वाली बॉलिवुड सेलिब्रिटी बनीं प्रियंका चोपड़ा

देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा ने ना केवल बॉलिवुड में बल्कि हॉलिवुड में भी अपनी सफलता के झंडे गाड़े हैं। अब उनके सिर पर एक और ताज जड़ा है। वह सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म इंस्टाग्राम पर सबसे अधिक फॉलोवर्स पाने वाली बॉलिवुड सेलिब्रिटी बन गई हैं। हालांकि सबसे ज्यादा इंस्टाग्राम फॉलोवर्स वाले भारतीयों के मामले प्रियंका अभी भी दूसरे नंबर पर हैं। इंस्टाग्राम पर प्रियंका चोपड़ा के 50 मिलियन यानी 5 करोड़ से अधिक फॉलोवर्स हो गए हैं। अब उनसे आगे सिर्फ भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली हैं। तीसरे नंबर पर दीपिका पादुकोण हैं जिनके 44.2 मिलियन फॉलोवर्स हैं। दीपिका के बाद नंबर आता है, आलिया भट्ट और अक्षय कुमार का। जहां आलिया भट्ट के 43.2 मिलियन फॉलोवर्स हैं, वहीं अक्षय कुमार के 36.8 मिलियन फॉलोवर्स हैं। मालूम हो, साल 2019 की इंस्टाग्राम रिच लिस्ट में भी केवल विराट कोहली और प्रियंका चोपड़ा को ही शामिल किया गया है। प्रियंका चोपड़ा हमेशा अपने फैशन और ड्रेसिंग सेंस को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा में रहती हैं। हालांकि कई बार उन्हें अपने ड्रेसिंग सेंस के कारण ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ता है।